करेंट अफेयर्स

उत्तर प्रदेश

(संग्रह)

जून

2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

- मिस वर्ल्ड 2025 — 3
- घाटमपुर थर्मल पावर परियोजना — 4
- बचपन डे केयर सेंटर — 4
- सतत् विमानन ईंधन विनिर्माण नीति-2025 — 6
- पवित्र बुद्ध अवशेषों को श्रद्धांजलि — 7
- उत्तर प्रदेश में अग्निवीरों के लिये क्षैतिज आरक्षण — 9
- नमामि गंगे मिशन — 10
- दुधवा टाइगर रिज़र्व में तितली विविधता — 12
- संत कबीरदास जयंती 2025 — 13
- राष्ट्रीय आपातकाल के 50 वर्ष — 14
- राम प्रसाद बिस्मिल की जयंती — 16
- एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान — 17
- शारदा नदी — 18
- ULBs को राज्य क्षेत्रक योजना से वित्तीय अनुदान मिलेगा — 21
- उत्तर प्रदेश सरकार ने मक्का खेती की ओर बढ़ते रुझान को रेखांकित किया — 22
- उत्तर प्रदेश में मॉडल रॉकेट का परीक्षण — 23
- लखनऊ का यूनेस्को गैस्ट्रोनॉमी शहर के लिये नामांकन — 25
- डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि — 26
- वाराणसी में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक — 27
- चंबल नदी में घड़ियाल शावकों की संख्या में वृद्धि — 29
- उत्तर प्रदेश में बनेंगे चार आधुनिक बचाव केंद्र — 31
- IOC की पहली महिला अध्यक्ष — 33
- जाह्नवी डांगेती — 36
- CIP-दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र (CSARC), आगरा — 37
- गाज़ियाबाद में ग्रीन डाटा सेंटर — 38
- सलखन जीवाश्म पार्क — 40
- रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (DMSRDE) — 41

दृष्टि The Vision

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

उत्तर प्रदेश

मिस वर्ल्ड 2025

चर्चा में क्यों ?

31 मई 2025 को तेलंगाना के हैदराबाद में हाईटेक्स प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित **72वें मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता** के ग्रैंड फिनाले के दौरान **थाईलैंड** की **ओपल सुचाता चुआंगसरी को मिस वर्ल्ड 2025** का ताज पहनाया गया।

मुख्य बिंदु

- **प्रतियोगिता के बारे में:**
  - यह एक **महीने तक चलने वाला उत्सव था** जिसमें विश्व भर से 108 **प्रतिभागियों ने भाग लिया,** इसमें **ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ** और प्रतिभागियों द्वारा संचालित **जागरूकता अभियानों** को शामिल किया गया।
  - इस कार्यक्रम की मेज़बानी **मिस वर्ल्ड 2016 स्टेफनी डेल वैले** और भारतीय टीवी व्यक्तित्व **सचिन कुंभार ने की।**
- विजेता:
  - **थाईलैंड का प्रतिनिधित्व करने वाली ओपल सुचाता चुआंगस्री** ने **मिस वर्ल्ड 2025** का ताज़ जीता। उन्हें **मिस वर्ल्ड 2024 क्रिस्टिना पिस्कोवा (चेक गणराज्य)** ने ताज पहनाया।
  - **इथियोपिया के हासेट डेरेजे ने** प्रथम उपविजेता और **पोलैंड की माजा क्लाजदा ने** दूसरे उपविजेता का खिताब जीता।
- **महाद्वीपीय क्वीन:** प्रत्येक महाद्वीप से विजेताओं का चयन **रैपिड-फायर राउंड के माध्यम से किया** किया गया:
  - **मिस मार्टीनिक** – अमेरिका और कैरिबियन
  - **मिस इथियोपिया** – अफ्रीका
  - **मिस पोलैंड** – यूरोप
  - **मिस थाईलैंड** – एशिया और ओशिनिया
- अन्य मुख्य बिंदु:
  - **मिस इंडोनेशिया मोनिका केज़िया सेम्बिरिंग** ने अपने प्रोजेक्ट **"पाइपलाइन फॉर लाइफलाइन"** के लिये **ब्यूटी विद अ पर्पज़** राउंड जीता, जिसका उद्देश्य स्वच्छ जल और स्वच्छता **तक पहुँच में सुधार** करना था।
  - **अभिनेता सोनू सूद** को **मिस वर्ल्ड मानवतावादी पुरस्कार** (Miss World Humanitarian Award) से सम्मानित किया गया, जो **राणा दग्गुबाती** द्वारा प्रदान किया गया।
- भारत की भागीदारी:
  - **मिस इंडिया 2025 नंदिनी गुप्ता** ने **टॉप मॉडल चैलेंज** में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए **72वीं मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में चार महाद्वीपीय विजेताओं** में स्थान प्राप्त किया, लेकिन वे **शीर्ष 20** में पहुँचने के बाद प्रतियोगिता से बाहर हो गईं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

घाटमपुर थर्मल पावर परियोजना

चर्चा में क्यों ?

30 मई, 2025 को प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के **कानपुर में** घाटमपुर ताप विद्युत परियोजना की यूनिट-1 को राष्ट्र को समर्पित किया।

मुख्य बिंदु

- **परियोजना के बारे में:**
  - घाटमपुर थर्मल पावर परियोजना की कुल स्थापित क्षमता **1,980 मेगावाट है**, जिसमें **660 मेगावाट** की **तीन सुपरक्रिटिकल इकाइयाँ शामिल हैं**।
  - शेष दो इकाइयों को **वित्तीय वर्ष 2025-26 तक चालू किया जाना है**।
  - यह परियोजना नेवेली **उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड (NUPPL)** द्वारा कार्यान्वित की जा रही है, जो NLC इंडिया लिमिटेड और **उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (UPRVUNL)** के बीच एक संयुक्त उद्यम है।
  - परियोजना की कुल लागत अनुमानित **21,780.94 करोड़ रुपए** है।
- विद्युत आवंटन:
  - उत्पादित बिजली का **1,487.28 मेगावाट (75.12%) उत्तर प्रदेश को आवंटित करने के लिये** एक **विद्युत क्रय समझौते (PPA)** पर हस्ताक्षर किये गए हैं और शेष **492.72 मेगावाट (24.88%) असम** के लिये निर्धारित किया गया है।
- पर्यावरण सुरक्षा उपाय:
  - प्लांट में नाइट्रोजन ऑक्साइड (NOx) उत्सर्जन को कम करने के लिये **सेलेक्टिव कैटालिटिक रिडक्शन (SCR)** तकनीक लगाई गई है।
  - सल्फर डाइऑक्साइड (SOx) उत्सर्जन नियंत्रण के लिये **फ्लू गैस डिसल्फराइजेशन (FGD)** सिस्टम स्थापित किये गए हैं।
  - परियोजना में **जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (ZLD)** सिस्टम होगा, जिससे प्लांट से कोई भी जल डिस्चार्ज नहीं होगा।

बचपन डे केयर सेंटर

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार **विशेष आवश्यकता वाले बच्चों** और दिव्यांग व्यक्तियों हेतु अपनी पहल का विस्तार करने के लिये 26 और ज़िलों में बचपन डे केयर सेंटर खोलने जा रही है, **साथ ही पहुँच,** शिक्षा, **पुनर्वास और प्रशिक्षण** में सुधार के लिये नई योजनाएँ शुरू करेगी।

मुख्य बिंदु

- बचपन डे केयर सेंटर के बारे में:
  - ये उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित विशेष सुविधाएँ हैं, जो **विशेष आवश्यकता वाले बच्चों** को प्रारंभिक हस्तक्षेप, देखभाल, शिक्षा और सामाजिक प्रशिक्षण प्रदान करती हैं।
  - इन केंद्रों का उद्देश्य प्रारंभिक आयु से ही **सहायक और समावेशी वातावरण** देकर **दिव्यांग बच्चों के समग्र विकास** को बढ़ावा देना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- वर्तमान में ये केंद्र 25 ज़िलों में संचालित हो रहे हैं, जिनमें सभी **संभागीय मुख्यालय** तथा सात **आकांक्षी ज़िले** (चित्रकूट, **फतेहपुर, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और चंदौली**) शामिल हैं।

- सुलभता एवं अवसंरचना सुधार:
  - यह सुनिश्चित करने के लिये एक नई योजना प्रस्तावित की गई है कि **सभी स्टेडियम और खेल परिसर** दिव्यांग व्यक्तियों के लिये पूरी तरह से सुलभ हों।
    - इसके अतिरिक्त, **दिव्यांग** व्यक्तियों के लिये **पहुँच और सुविधा बढ़ाने, सार्वजनिक स्थानों में समावेशिता और समान भागीदारी को बढ़ावा देने के लिये राज्य में अवसंरचना सुधार को उन्नत किया जाएगा।**
  - इस कदम का उद्देश्य न केवल खेलों में उनकी भागीदारी को बढ़ावा देना है, बल्कि 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' **की भावना को भी मज़बूत करना है।**
- विशेष शिक्षा में डिजिटल रूपांतरण:
  - **विशेष विद्यालयों के लिये ई-लर्निंग प्रबंधन प्रणाली पोर्टल** की शुरुआत की जा रही है। यह पोर्टल—
    - **शैक्षणिक गतिविधियों और विद्यार्थियों की प्रतिभाओं की रीयल-टाइम निगरानी** को सक्षम बनाएगा,
    - **शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाएगा** और
    - **विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के समग्र विकास को प्रोत्साहित करेगा।**
- बौद्धिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिये पुनर्वास और सहायता:
  - प्रत्येक ज़िले में **आश्रयगृह-सह-प्रशिक्षण केंद्र** की स्थापना की योजना बनाई गई है।
  - ये केंद्र सुरक्षित वातावरण और कौशल-आधारित प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।
  - ये स्वतंत्र जीवन को प्रोत्साहित करने के लिये सरकार और निजी संस्थाओं द्वारा समर्थित हैं।
- विशेष शिक्षकों के लिये प्रशिक्षण और सहायता:
  - **सेवारत विशेष शिक्षकों के लिये रिफ्रेशर कोर्स एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों** की शुरुआत की जा रही है, जिनका उद्देश्य शिक्षकों को **आधुनिक शैक्षणिक विधियों** से अद्यतन रखना है।
  - जिससे वे **दिव्यांग विद्यार्थियों की बदलती आवश्यकताओं का बेहतर ढंग से समाधान** कर सकें।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों से संबंधित योजनाएँ

- **दिव्यांग पेंशन योजना:** राज्य सरकार की पेंशन योजना 18 **वर्ष या उससे अधिक आयु के दिव्यांग व्यक्तियों को मासिक वित्तीय सहायता प्रदान करती है,** जिससे उनकी आजीविका और जीवन स्तर में सुधार होता है। बेहतर सहायता प्रदान करने के लिये पेंशन राशि में समय-समय पर वृद्धि की जाती है।
- दीन दयाल विकलांग पुनर्वास योजना (DDRS): यह योजना वर्ष 1999 में शुरू की गई थी और वर्ष 2003 में इसे संशोधित कर इसका **नाम परिवर्तित** किया गया। इसे पहले **"दिव्यांगजनों के लिये स्वैच्छिक प्रयासों को प्रोत्साहन देने की योजना" के रूप में जाना जाता था।**
  - **DDRS एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है**, जो दिव्यांगजनों की शिक्षा और पुनर्वास हेतु कार्यरत स्वैच्छिक संगठनों **को वित्तीय सहायता** प्रदान करती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

सतत् विमानन ईंधन विनिर्माण नीति-2025

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार ने कृषि अपशिष्ट को जेट ईंधन में परिवर्तित करने हेतु सतत विमानन ईंधन (SAF) **विनिर्माण नीति**-2025 की रूपरेखा प्रस्तुत की है।

- इस नीति की रूपरेखा पर विचार-विमर्श हेतु **लखनऊ में Invest UP द्वारा एक उच्च स्तरीय गोलमेज सम्मेलन** का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **SAF के बारे में:**
  - यह **कृषि अपशिष्ट**, नगर ठोस अपशिष्ट **और वन अवशेषों** जैसे नवीकरणीय स्रोतों से उत्पादित किया जाता है।
  - यह पारंपरिक जेट ईंधन की तुलना में **ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 80% तक कम करने की क्षमता** रखता है।
  - SAF के उत्पादन के लिये गन्ने के शीरे जैसे स्वदेशी फीडस्टॉक और मेक इन इंडिया तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।
- नीति के बारे में:
  - **नीति का लक्ष्य** गन्ने की खोई, चावल की भूसी और गेहूँ के भूसे जैसे **कृषि अपशिष्टों** से सतत् विमानन ईंधन का उत्पादन करना है।
  - साथ ही इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश में जैव-जेट ईंधन विनिर्माण के लिये औद्योगिक इकाइयाँ स्थापित करना है।
  - इस पहल से **लगभग 2.5 करोड़ किसानों को सीधे लाभ होगा**, क्योंकि इससे उनकी फसल के अपशिष्ट के लिये नए बाज़ार उपलब्ध होंगे।
- नीति का महत्त्व:
  - **देश में अपनी तरह की पहली नीति:** यह भारत के विमानन ईंधन मिश्रण में **कृषि अपशिष्ट-आधारित** जैव ईंधन को शामिल करने की दिशा में **एक अग्रणी पहल** है।
  - **जलवायु परिवर्तन शमन:** यह **पेरिस समझौते के तहत** कार्बन उत्सर्जन **की तीव्रता घटाने** तथा **नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने** की भारत की प्रतिबद्धता का समर्थन करती है।
  - **कृषि अपशिष्ट प्रबंधन:** यह **पराली जलाने की प्रवृत्ति में कमी** लाकर, जो उत्तरी भारत में वायु प्रदूषण और धुंध का एक प्रमुख कारण है, **सार्वजनिक स्वास्थ्य और पारिस्थितिकीय संतुलन में सुधार** कर सकती है।
  - **ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सशक्तीकरण:** यह **कृषि अवशेषों के लिये नए बाज़ार और मूल्य शृंखलाएँ** निर्मित कर **किसानों के लिये अतिरिक्त आय के स्रोत** उत्पन्न करेगी।
  - **औद्योगिक वृद्धि:** यह उत्तर प्रदेश **की रणनीतिक लॉजिस्टिक और कृषि-औद्योगिक क्षमता** का उपयोग कर **SAF निर्माण इकाइयों की स्थापना को बढ़ावा** देगी।
- संबंधित चुनौतियाँ:
  - **तकनीकी व्यवहार्यता:** विभिन्न कृषि अपशिष्टों को प्रभावी ढंग से **विमान ईंधन** में परिवर्तित करने के लिये विश्वसनीय और व्यापक प्रक्रियाओं का विकास एक बड़ी चुनौती बना हुआ है।
  - **मूल्य प्रतिस्पर्द्धा:** SAF का उत्पादन ऐसी लागत पर किया जाना आवश्यक है, जो पारंपरिक जेट ईंधन के समान हो, ताकि भारी सब्सिडी के बिना इसके उपयोग को प्रोत्साहित किया जा सके।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

- **अवसंरचना विकास:** बिखरे हुए फसल अवशेषों का प्रभावी **संग्रहण, परिवहन और भंडारण** सुनिश्चित करने के लिये प्रभावी **लॉजिस्टिक्स** की आवश्यकता है ताकि निरंतर आपूर्ति बनी रहे।
- **नीति समन्वय:** बायोफ्यूल और विमानन से जुड़ी राज्य और केंद्र की नीतियों को संगत बनाना जरूरी है ताकि अनुमोदन और प्रोत्साहनों की प्रक्रिया सुचारू हो सके।

पवित्र बुद्ध अवशेषों को श्रद्धांजलि

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रीय संग्रहालय (**नई दिल्ली**) में एक **श्रद्धा समारोह** आयोजित किया गया जहाँ **भक्तगण** बुद्ध के पवित्र अवशेषों को **अंतिम श्रद्धांजलि** देने के लिये एकत्र हुए, इससे पहले कि वे **उत्तर प्रदेश** के सारनाथ में **मूलगंध कुटी विहार मंदिर** में पुन: प्रतिष्ठापित होने के लिये **सारनाथ** लौटें।

- यह समारोह **राष्ट्रीय संग्रहालय** और अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (IBC) द्वारा संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया गया था।

मुख्य बिंदु

- **अवशेषों के बारे में:**
  - ये अवशेष **उत्तर प्रदेश के सारनाथ स्थित मूलगंध कुटी विहार** से संबंधित हैं, यह विहार **महाबोधि सोसाइटी** द्वारा संचालित है, जिसकी स्थापना **अंगारिका धर्मपाल** ने की थी।
  - अवशेषों की **खुदाई 1927-1931** के दौरान नागार्जुनकोंडा (**आंध्र प्रदेश**) में **एच. लॉन्गहर्स्ट** द्वारा की गई थी।
  - इन अवशेषों को 27 दिसंबर, 1932 को राय बहादुर दयाराम साहनी ने **भारत के वायसराय** की ओर से महाबोधि सोसाइटी को सौंपा था।
- **सारनाथ का आध्यात्मिक महत्त्व:**
  - **सारनाथ को बौद्ध धर्म** में, विशेषकर 21वीं सदी में, सर्वाधिक **पूजनीय तीर्थ स्थलों में से एक माना जाता है।**
  - सारनाथ में ही गौतम बुद्ध **ने** ज्ञान प्राप्ति के बाद अपना पहला उपदेश दिया था, जिसके बाद **धर्मचक्र** प्रवर्तन हुआ था।
  - सारनाथ को **संघ का जन्मस्थान भी माना जाता है**- जो बुद्ध के शिष्यों और अनुयायियों का समुदाय है।
  - ऐसा माना जाता है कि सम्राट अशोक ने बुद्ध के प्रथम उपदेश की स्मृति में **249 ईसा पूर्व में सारनाथ** में धमेख स्तूप का निर्माण कराया था।
  - 12वीं शताब्दी में **राजा गोविंद चंद्र की पत्नी द्वारा सारनाथ में धर्म-चक्र-जिन विहार मठ** का निर्माण कराया गया, जिससे इसकी आध्यात्मिक विरासत और भी समृद्ध हुई।

अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (IBC)

- यह सबसे बड़ा **धार्मिक बौद्ध संघ** है।
- इस संघ का उद्देश्य वैश्विक मंच पर बौद्ध धर्म की भूमिका का निर्माण करना है, ताकि बौद्ध धर्म की विरासत को संरक्षित करने, ज्ञान साझा करने और मूल्यों को बढ़ावा देने में मदद मिल सके तथा वैश्विक वार्ता में सार्थक भागीदारी के साथ बौद्ध धर्म का संयुक्त प्रतिनिधित्व किया जा सके।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- नवंबर 2011 में नई दिल्ली में **'वैश्विक बौद्ध मंडली'** (GBC) की मेज़बानी की गई थी, जहाँ उपस्थित लोगों ने सर्वसम्मति से एक अंतर्राष्ट्रीय अंब्रेला निकाय- **अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ** (IBC) के गठन के प्रस्ताव को अपनाया।
- **मुख्यालय:** दिल्ली (भारत)

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तर प्रदेश में अग्निवीरों के लिये क्षैतिज आरक्षण

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य पुलिस बल में विभिन्न पदों पर पूर्व अग्निवीरों को 20% क्षैतिज आरक्षण देने की घोषणा की है।

- आरक्षण के अतिरिक्त, सरकार ने उनकी भर्ती को आसान बनाने के लिये **आयु में 3 वर्ष की छूट** भी प्रदान की है।

प्रमुख बिंदु

- **अग्निपथ योजना:**
  - **परिचय:**
    - **"अग्निवीर"** शब्द का अर्थ है "अग्नि-योद्धा" और यह एक **नई सैन्य रैंक** है।
    - यह योजना **उन सैन्य कर्मियों की भर्ती के लिये लागू की गई है जो अधिकारी रैंक से नीचे के होते हैं,** जैसे **सैनिक, वायुसैनिक (एयरमैन)** और **नाविक (सेलर),** जो भारतीय सशस्त्र बलों में कमीशन प्राप्त अधिकारी नहीं होते।
    - इनकी **भर्ती 4 वर्षों की अवधि** के लिये की जाती है, जिसके पश्चात् इन अग्निवीरों में से **अधिकतम 25%** को **स्थायी कमीशन** (अगले 15 वर्षों के लिये), योग्यता और संगठनात्मक आवश्यकताओं के आधार पर सेवाओं में शामिल किया जा सकता है।
    - वर्तमान में, चिकित्सा शाखा के तकनीकी संवर्ग को छोड़कर **सभी सैनिक, वायुसैनिक और नाविकों** की भर्ती इस योजना के अंतर्गत की जा रही है।
  - **पात्रता मापदंड:**
    - इस योजना के लिये **17.5 वर्ष से 23 वर्ष** की आयु के अभ्यर्थी आवेदन के पात्र हैं (अधिकतम आयु सीमा को 21 वर्ष से बढ़ाकर 23 वर्ष किया गया है)।
    - **निर्धारित आयु सीमा के अंतर्गत आने वाली लड़कियाँ भी अग्निपथ प्रवेश के लिये पात्र हैं,** हालाँकि इस योजना के तहत महिलाओं के लिये कोई विशेष आरक्षण प्रावधान नहीं है।
  - **वेतन एवं लाभ:**
    - **ड्यूटी के दौरान मृत्यु:** यदि किसी अग्निवीर की मृत्यु ड्यूटी पर होती है, तो उसके परिवार को कुल **₹1 करोड़** की राशि प्रदान की जाती है, जिसमें **सेवा निधि पैकेज** तथा सेवाकाल के शेष वेतन की राशि सम्मिलित होती है।
    - **दिव्यांगता:** यदि किसी अग्निवीर को सैन्य सेवा के कारण या उसके दौरान दिव्यांगता होती है, तो दिव्यांगता की गंभीरता के आधार पर अधिकतम **₹44 लाख** तक का मुआवज़ा दिया जा सकता है। यह राशि केवल उन्हीं मामलों में दी जाती है, **जहाँ दिव्यांगता सैन्य सेवा के कारण उत्पन्न हुई हो** या उसमें वृद्धि हुई हो।
  - **पेंशन:** परंपरागत प्रणाली के सैनिकों के विपरीत, अग्निवीरों को 4 वर्ष की सेवा के बाद नियमित पेंशन का लाभ नहीं दिया जाता।
    - स्थायी कमीशन के लिये चयनित होने वाले **केवल 25%** लोग ही पेंशन के लिये पात्र होंगे।
  - **अग्निपथ का लक्ष्य:**
    - यह योजना **सशस्त्र बलों में युवा प्रोफाइल को बनाए रखने, बल संरचना को अनुकूलित करने, संचालन क्षमता को बढ़ाने** तथा **रक्षा व्यय में दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने** के उद्देश्य से लागू की गई है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

आरक्षण

- आरक्षण एक प्रकार की **सकारात्मक कार्यवाही (Affirmative Action) है, जिसे हाशिये पर पड़े वर्गों के मध्य समानता को बढ़ावा देने** तथा उन्हें **सामाजिक और ऐतिहासिक अन्याय से संरक्षण** प्रदान करने के लिये बनाया गया है।
- सामान्यत: इसका अर्थ है समाज के **वंचित वर्गों को रोज़गार और शिक्षा की उपलब्धि में प्राथमिकता** देना है।
- इसकी शुरुआत ऐतिहासिक भेदभाव के **अन्याय को सुधारने और वंचित समुदायों को प्रोत्साहन** देने के उद्देश्य से की गई थी।
- भारत में लोगों के साथ ऐतिहासिक रूप से जाति के आधार पर भेदभाव किया गया है।
- **ऊर्ध्वाधर आरक्षण:**
    - अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिये आरक्षण को ऊर्ध्वाधर आरक्षण कहा जाता है।
    - यह कानून के अंतर्गत निर्दिष्ट **प्रत्येक समूह पर पृथक रूप से लागू** होता है।
    - **उदाहरण:** संविधान का अनुच्छेद 16(4) ऊर्ध्वाधर आरक्षण का प्रावधान करता है।
- **क्षैतिज आरक्षण:**
    - यह उन अन्य **लाभार्थी वर्गों** जैसे महिलाओं, पूर्व सैनिकों, ट्रांसजेंडर समुदाय, और दिव्यांग व्यक्तियों को प्रदान किये जाने वाले **समान अवसर को संदर्भित** करता है, जो उर्ध्वाधर श्रेणियों (vertical categories) के पार जाकर लागू होता है।
        - क्षैतिज आरक्षण **प्रत्येक उर्ध्वाधर श्रेणी पर पृथक रूप से लागू किया जाता है, न कि समग्र रूप से।**
    - **उदाहरण:** संविधान का अनुच्छेद 15(3) क्षैतिज आरक्षण का प्रावधान करता है।

नमामि गंगे मिशन

चर्चा में क्यों?

विश्व पर्यावरण दिवस 2025 (5 जून 2025) पर नमामि गंगे मिशन के तहत एक **विशेष कार्यक्रम बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश** में आयोजित किया गया, जिसमें **पारिस्थितिक बहाली, टिकाऊ प्रथाओं** और **नदी संरक्षण** के लिये **आधुनिक तकनीक** पर ध्यान केंद्रित किया गया।

- **नोट:** मॉन्ट्रियल में संयुक्त राष्ट्र जैवविविधता सम्मेलन में **गंगा पुनरुद्धार कार्यक्रम** को दुनिया की **शीर्ष 10 पारिस्थितिकी तंत्र बहाली पहलों** में से एक माना गया।

मुख्य बिंदु

- **कार्यक्रम की मुख्य बातें:**
- **सीवेज और प्रदूषण नियंत्रण उपाय:**
    - गंगा बेसिन में स्थित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट अनुपचारित अपशिष्ट जल को नदी में जाने से रोक रहे हैं।
    - **प्रदूषण फैलाने वालों** के ख़िलाफ़ **सख्त कार्रवाई** पर ज़ोर दिया गया, साथ ही **सामुदायिक नदी संरक्षकों (गंगा प्रहरियों)** की **महत्त्वपूर्ण भूमिका** पर भी ज़ोर दिया गया।
- **प्राकृतिक खेती को बढ़ावा:**
    - **रासायनिक उर्वरक** के उपयोग को कम करने, **मृदा स्वास्थ्य** में सुधार लाने तथा **नदियों में अपवाह** को रोकने के लिये **प्राकृतिक खेती** को बढ़ावा दिया गया।
    - सतत कृषि और **जल संरक्षण** को बढ़ावा देने के लिये **पारंपरिक जैव-आगतों** की सिफ़ारिश की गई।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **तकनीकी एकीकरण की भूमिका:**
  - **प्रदूषण के प्रमुख स्थानों** की पहचान करने तथा नदी में प्रवेश करने वाले **नालों** का पता लगाने के लिये **ड्रोन** और LiDAR (लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग) सर्वेक्षण जैसे **आधुनिक उपकरणों** का उपयोग किया जा रहा है।
  - **ग्रामीण और अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों** में **पर्यावरण जागरूकता** को बढ़ावा देने के लिये राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (NBT) द्वारा एक **मोबाइल लाइब्रेरी, पुस्तक परिक्रमा** शुरू की गई।
- **पारिस्थितिकी बहाली कार्य:**
  - **जलीय जीवन** को बहाल करने के लिये **बसी घाट** पर **मछलियों और कछुओं** को छोड़ा गया।
  - गंगा डॉल्फ़िन और **मीठे पानी के कछुओं** के लिये **बचाव केंद्र**, लुप्तप्राय प्रजातियों के **संरक्षण** में **महत्त्वपूर्ण भूमिका** निभाता है।
- **वृक्षारोपण एवं वनरोपण:**
  - "एक पेड़, माँ के नाम" पहल के तहत **पेड़ लगाए गए**, जिससे **पारिस्थितिकी संतुलन** में वनीकरण की भूमिका को **मज़बूती** मिली।

नमामि गंगे कार्यक्रम

- **परिचय:** यह **प्रदूषण को कम करने, जल की गुणवत्ता में सुधार लाने** और **नदी के पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल कर गंगा नदी** और उसकी सहायक नदियों के संरक्षण के लिये एक **प्रमुख कार्यक्रम** है।
- **कार्यान्वयन: गंगा नदी के संरक्षण हेतु पाँच स्तरीय संरचना**।
- **NGP के 8 स्तंभ:**

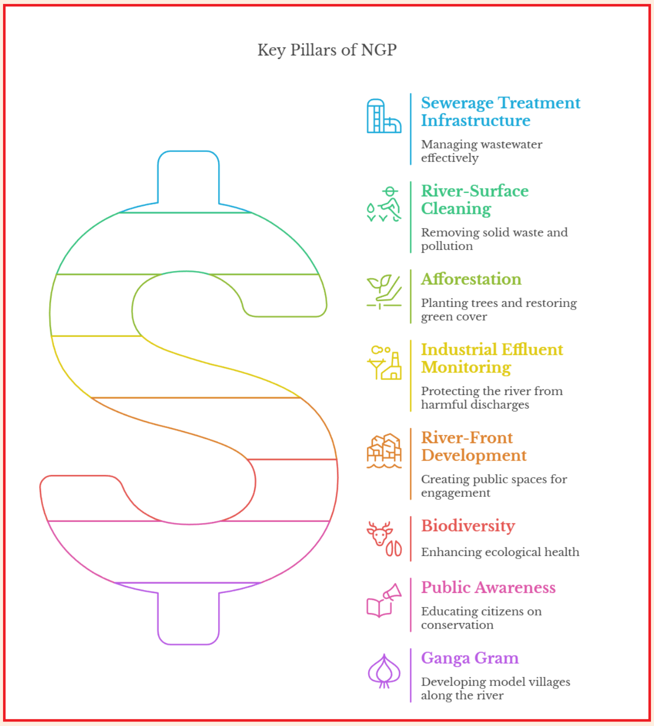

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

दुधवा टाइगर रिज़र्व में तितली विविधता

चर्चा में क्यों ?

अपनी **विशाल बाघ आबादी** के लिये प्रसिद्ध **उत्तर प्रदेश** का दुधवा टाइगर रिज़र्व (DTR) अब **तितलियों** की **180 प्रजातियों** का भी आश्रय स्थल बन गया है, जो **एक स्वस्थ** पारिस्थितिकी तंत्र और **बेहतर संरक्षण प्रयासों** का संकेत है।

मुख्य बिंदु

- **तितली प्रजातियों में वृद्धि:**
  - **लखनऊ विश्वविद्यालय** द्वारा हाल ही में किये गए सर्वेक्षण में DTR में 110 से अधिक तितली प्रजातियाँ दर्ज की गईं, जबकि पहले ज्ञात संख्या केवल 45 थी।
- **प्रवासी एवं दुर्लभ प्रजातियाँ:**
  - **उत्तराखंड से प्रवासी तितलियाँ** उत्तर प्रदेश में बढ़ती विविधता में योगदान देती हैं।
  - पहचानी गई दुर्लभ और उल्लेखनीय प्रजातियों में कॉमन मॉर्मन, कॉमन माइन, कॉमन लाइम, टॉनी कोस्टर, गौडी बैरन (दुर्लभ), स्ट्राइप्ड टाइगर, कॉमन टाइगर (दोनों लिंग), ग्रे काउंट (दुर्लभ), कमांडर शामिल हैं।
- **महत्त्व:**
  - तितलियाँ, जिन्हें जैव-संकेतक **के रूप में जाना जाता है,** जलवायु परिवर्तन के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होती हैं तथा केवल पारिस्थितिकी रूप से स्वस्थ वातावरण में ही पनपती हैं।
  - यह तीव्र वृद्धि **एक अधिक स्वस्थ एवं संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र का संकेत है।**
- **दुधवा टाइगर रिज़र्व (DTR) के बारे में:**
- **पृष्ठभूमि**
  - **संरक्षणवादी बिली अर्जन सिंह ने जनवरी 1977 में दुधवा को राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा** दिलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
  - **बाद में वर्ष 1987 में** इसे टाइगर रिज़र्व घोषित कर दिया गया।
  - दुधवा टाइगर रिज़र्व (DTR) में शामिल हैं:
    - दुधवा राष्ट्रीय उद्यान
    - किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य
    - कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य
    - उत्तरी खीरी, दक्षिण खीरी और शाहजहाँपुर वन प्रभागों के बफर ज़ोन।
- **वनस्पति और जीव:**
  - यह क्षेत्र ऊपरी गंगा के मैदानों के तराई-भाबर **पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतिनिधित्व करता है।**
  - यहाँ की वनस्पति मुख्यत: उत्तर भारतीय नम पर्णपाती वन **है।**
  - यह रिज़र्व अपनी समृद्ध जैवविविधता के लिये जाना जाता है, जहाँ विभिन्न प्रकार की वनस्पतियाँ और जीव पाए जाते हैं जिनमें बंगाल टाइगर, भारतीय गैंडा, **दलदली हिरण,** तेंदुआ **और पक्षियों की कई प्रजातियाँ शामिल हैं।**
- **जैवविविधता और संरक्षण स्थिति:**
  - 490.3 वर्ग किमी. क्षेत्र में फैले दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में **उत्तर प्रदेश के कुल 205 बाघों में से 135 बाघ हैं,** जो वर्ष 2018 के 82 बाघों से उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

- **वर्ष 2022 की अखिल भारतीय बाघ जनगणना** में, दुधवा टाइगर रिज़र्व (DTR) को बाघ आबादी के लिये **भारत में चौथा स्थान दिया गया।**

नोट:

- वर्ष 2015 में, महाराष्ट्र "ब्लू मॉर्मन" (*पैपिलियो पॉलीमनेस्टर*) को अपना **राज्य तितली नामित करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया।**
- यह तितली **भारत में** दक्षिणी बर्डविंग के बाद दूसरी सबसे बड़ी तितली है।

संत कबीरदास जयंती 2025

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री ने संत कबीरदास की **648वीं जयंती** के अवसर पर, जिसे कबीरदास जयंती (**कबीर प्रकट दिवस**) के रूप में मनाया जाता है, पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य बिंदु

- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:**
  - **कबीरदास जयंती** हर वर्ष हिंदू पंचांग के अनुसार **ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा तिथि** को मनाई जाती है।
  - **कबीरदास** 15वीं शताब्दी के **कवि, संत** तथा समाज सुधारक थे, जिनका जन्म सन् 1440 में **वाराणसी (उत्तर प्रदेश)** में एक **हिंदू परिवार** में हुआ था, लेकिन उनका **पालन-पोषण** एक **मुस्लिम बुनकर दंपत्ति** द्वारा किया गया था।
  - उन्होंने **रामानंद** और **शेख तक़ी** जैसे **गुरुओं** से **आध्यात्मिक मार्गदर्शन** प्राप्त किया तथा अपने **अद्वितीय दर्शन** को आकार दिया।
- **दर्शन, कार्य और शिक्षाएँ:**
  - वे भक्ति आंदोलन में एक **उल्लेखनीय व्यक्ति** थे, जिसमें **ईश्वर के प्रति समर्पण और प्रेम** पर विशेष ज़ोर दिया गया।
  - **भक्ति आंदोलन** की शुरुआत 7वीं शताब्दी में **दक्षिण भारत** में हुई थी, जो 14वीं व 15वीं शताब्दी तक **उत्तर भारत** में फैल गया।
  - उन्होंने **कबीर पंथ** की स्थापना की, जो एक **आध्यात्मिक समुदाय** है, जिसके अनुयायी आज भी **बड़ी संख्या** में विद्यमान हैं।
  - उनके प्रमुख **साहित्यिक योगदानों** में **बीजक, सखी ग्रंथ, कबीर ग्रंथावली** तथा **अनुराग सागर** शामिल हैं।
  - उन्होंने अनेक **भजन** और **दोहे** लिखे, जिनमें **अंधविश्वास की निंदा** की गई तथा **सामाजिक सुधार, स्वतंत्र चिंतन** एवं **आध्यात्मिक एकता** को बढ़ावा दिया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- ◆ ब्रजभाषा और अवधी बोलियों में लिखी गई उनकी **कविताओं** ने भारतीय साहित्य और **हिंदी भाषा** के विकास में **महत्त्वपूर्ण योगदान** दिया।

- **मृत्यु और प्रतीकात्मक विरासत:**
  - ◆ **कबीरदास** का निधन सन् 1518 में **मगहर (उत्तर प्रदेश)** में हुआ, जहाँ उनके **अंतिम संस्कार** को लेकर **हिंदुओं और मुसलमानों** के बीच **विवाद** उत्पन्न हुआ।
  - ◆ **संत कबीर** की **विरासत** को दोनों **समुदायों** द्वारा **सम्मान** दिया जाता है, वहाँ **हिंदुओं** द्वारा निर्मित **समाधि** है और **मुसलमानों** द्वारा निर्मित **मज़ार**, एक साथ स्थित हैं।

राष्ट्रीय आपातकाल के 50 वर्ष

चर्चा में क्यों ?

50 वर्ष पूर्व 12 जून 1975 को, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने **इंदिरा नेहरू गाँधी बनाम श्री राज नारायण केस, 1975** में **इंदिरा गाँधी** के **1971 के चुनाव** को **अवैध** घोषित कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप **25 जून 1975** को राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा कर दी गई, जो **मार्च 1977** तक जारी रहा।

मुख्य बिंदु

- **इंदिरा नेहरू गाँधी बनाम श्री राज नारायण केस, 1975**
  - ◆ यह भारत के संवैधानिक और लोकतांत्रिक इतिहास में एक **मील का पत्थर** है, जिसकी पृष्ठभूमि **1971 के आम चुनावों** से जुड़ी है, जिसमें **प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी** ने **समाजवादी नेता राज नारायण** को पराजित किया था। इस पराजय के बाद राज नारायण ने चुनावी कदाचार के आधार पर कानूनी चुनौती दी।
- **चुनावी संदर्भ और आरोप:**
  - ◆ राज नारायण ने आरोप लगाया कि इंदिरा गाँधी ने **चुनावी लाभ** के लिये **सरकारी मशीनरी और सार्वजनिक धन** का दुरुपयोग किया, जो जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 का उल्लंघन है।
    - ■ उन्होंने इन **कथित कदाचारों** के आधार पर उनके **चुनाव को अमान्य** घोषित करने हेतु **इलाहाबाद उच्च न्यायालय** में याचिका दायर की।
- **इलाहाबाद उच्च न्यायालय का निर्णय:**
  - ◆ **न्यायालय** ने पाया कि इंदिरा गाँधी ने **चुनाव प्रचार** के लिये **सरकारी मशीनरी** का दुरुपयोग किया है। परिणामस्वरूप, उनका चुनाव **अवैध घोषित** कर दिया गया तथा उन्हें प्रधानमंत्री **पद के लिये अयोग्य** ठहराया गया।
- **सर्वोच्च न्यायालय में अपील:**
  - ◆ इंदिरा गाँधी ने **उच्च न्यायालय के निर्णय** के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में अपील दायर की तथा **अंतरिम रोक** और निष्कर्षों को चुनौती देने का अवसर मांगा।
- **आपातकाल की घोषणा:**
  - ◆ राजनीतिक अस्थिरता के बीच **25 जून 1975** को इंदिरा गाँधी की सरकार ने **राष्ट्रीय आपातकाल** की घोषणा कर दी, जिसके परिणामस्वरूप **नागरिक स्वतंत्रताएँ निलंबित, प्रेस पर सेंसरशिप लागू** और **चुनाव स्थगित** कर दिये गए।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

राष्ट्रीय आपातकाल से संबंधित मुख्य तथ्य:

- **राष्ट्रीय आपातकाल के बारे में:**
  - जब **भारत या उसके किसी भाग** की सुरक्षा को **युद्ध, बाह्य आक्रमण** (बाह्य आपातकाल) या **सशस्त्र विद्रोह** (आंतरिक आपातकाल) से खतरा होता है, तब **राष्ट्रपति अनुच्छेद 352** के अंतर्गत **राष्ट्रीय आपातकाल** की घोषणा कर सकते हैं।
- **38वाँ संशोधन अधिनियम, 1975:**
  - इस संशोधन ने राष्ट्रपति को **युद्ध, बाह्य आक्रमण, सशस्त्र विद्रोह** अथवा इसके **आसन्न खतरे** के आधार पर आपातकालीन उद्घोषणा जारी करने की अनुमति दी।
- **44वाँ संशोधन अधिनियम, 1978:**
  - इसने "**आंतरिक अशांति**" के स्थान पर "**सशस्त्र विद्रोह**" शब्द को प्रतिस्थापित किया, ताकि आपातकाल के प्रयोग को सीमित किया जा सके।
- **प्रादेशिक विस्तार:**
  - आपातकाल की घोषणा **संपूर्ण देश** या **किसी विशिष्ट भाग** तक सीमित की जा सकती है। 42वाँ संशोधन अधिनियम, 1976 ने राष्ट्रपति को भारत के **एक विशिष्ट हिस्से** में आपातकाल लागू करने में सक्षम बनाया।
- **संसदीय अनुमोदन:**
  - **44वाँ संशोधन अधिनियम, 1978** के अनुसार, आपातकाल की घोषणा को **एक माह के भीतर** दोनों सदनों द्वारा विशेष बहुमत से अनुमोदित किया जाना अनिवार्य है (पूर्व में यह अवधि दो माह थी)।
  - यदि घोषणा के समय लोकसभा **भंग** हो, तो राज्यसभा **का अनुमोदन वैध** रहेगा, किंतु **पुनर्गठित लोकसभा** को अपनी **पहली बैठक के 30 दिनों के भीतर** इसे अनुमोदित करना होगा।
- **अवधि:**
  - आपातकाल **6 माह** तक लागू रहता है और इसे प्रत्येक **6 माह** में संसद की स्वीकृति से **अनिश्चितकाल तक बढ़ाया जा सकता है** (44वाँ संशोधन, 1978)।
- **निरसन:**
  - आपातकाल को राष्ट्रपति द्वारा कभी भी, संसद **की स्वीकृति के बिना** वापस लिया जा सकता है।
- **लोकसभा द्वारा अस्वीकृति का प्रावधान:**
  - यदि लोकसभा के कुल सदस्यों का **दसवाँ हिस्सा** अध्यक्ष (यदि सत्र चल रहा हो) या राष्ट्रपति (यदि सत्र स्थगित हो) को **लिखित सूचना** देता है, तो **14 दिनों के भीतर विशेष बैठक** आहूत करनी होगी।

- इस बैठक में **साधारण बहुमत** से प्रस्ताव पारित कर आपातकाल को **अस्वीकृत** किया जा सकता है।
  - **न्यायिक समीक्षा:**
    - 38वाँ संशोधन अधिनियम, 1975 ने **आपातकालीन घोषणा** को **न्यायिक समीक्षा से बाहर** कर दिया था।
    - बाद में **44वाँ संशोधन अधिनियम, 1978** द्वारा इस प्रावधान को **विलोपित** कर दिया गया।
  - **मिनर्वा मिल्स मामला, 1980:**
    - **सर्वोच्च न्यायालय** ने निर्णय दिया कि यदि आपातकाल की घोषणा **दुर्भावनापूर्ण, अप्रासंगिक तथ्यों या विकृत जानकारी** पर आधारित हो, तो उसे **चुनौती दी जा सकती है**।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

राम प्रसाद बिस्मिल की जयंती

चर्चा में क्यों ?

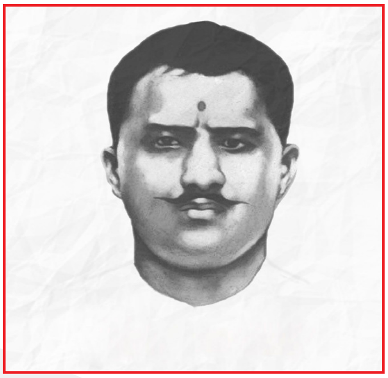

11 जून 2025 को स्वतंत्रता सेनानी राम प्रसाद बिस्मिल की जयंती मनाई गई। अपनी क्रांतिकारी भावना और काव्य प्रतिभा के लिये प्रसिद्ध, **बिस्मिल** ने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन **के खिलाफ भारत के संघर्ष** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुख्य बिंदु

- **जन्म:**
  - बिस्मिल का जन्म 11 जून, 1897 को उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर ज़िले में हुआ था।
- **प्रारंभिक प्रभाव और विचारधारा:**
  - बिस्मिल आर्य समाज (वर्ष 1875 में दयानंद सरस्वती द्वारा स्थापित) में शामिल हो गए और **'बिस्मिल' यानी 'घायल' या 'बेचैन'** जैसे नामों का उपयोग करते हुए एक **प्रतिभाशाली लेखक तथा कवि** बन गए।
  - एक भारतीय राष्ट्रवादी और आर्यसमाजी धर्मप्रचारक **भाई परमानंद** को मौत की सज़ा के बारे में पढ़कर **उनमें पहली बार देशभक्ति की भावना उत्पन्न** हुई।
  - 18 वर्ष की आयु में उन्होंने अपनी पीड़ा को **'मेरा जन्म'** नामक सशक्त कविता के माध्यम **से व्यक्त किया**।
  - वह गांधीवादी **तरीकों के विपरीत** स्वतंत्रता संग्राम **के क्रांतिकारी तरीकों में विश्वास करते** थे।
- **प्रमुख योगदान:**
- **मैनपुरी षड्यंत्र:**
  - बिस्मिल का कॉन्ग्रेस पार्टी की उदारवादी विचारधारा से मोहभंग हो गया और उन्होंने **'मातृवेदी'** नामक एक क्रांतिकारी संगठन की स्थापना की।
  - वे वर्ष 1918 के 'मैनपुरी षड्यंत्र' में शामिल थे, जिसमें बिस्मिल और दीक्षित को सरकार द्वारा प्रतिबंधित पुस्तकें बेचते हुए पाया गया था।
    - 28 जनवरी, 1918 को बिस्मिल ने पैम्फलेट के रूप में अपने दो लेखों- **देशवासियों के नाम संदेश (ए मैसेज टू कंट्रीमेन)** और **मैनपुरी की प्रतिज्ञा (वाउ ऑफ मैनपुरी)** को आम लोगों में वितरित किया।
  - वर्ष 1918 में तीन मौकों पर उन्होंने अपनी पार्टी के लिये धन इकट्ठा करने हेतु सरकारी खजाने को लूटा।
- **हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन की स्थापना:**
  - **वर्ष 1920 में** उन्होंने सचिंद्र नाथ सान्याल और जादूगोपाल मुखर्जी के साथ हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) का गठन किया।
  - HRA का घोषणा-पत्र मुख्य रूप से बिस्मिल द्वारा लिखा गया, **जिसका उद्देश्य सशस्त्र क्रांति के माध्यम से संयुक्त राज्य भारत के रूप में एक संघीय गणराज्य** की स्थापना करना था।
- **काकोरी कांड:**
  - **वर्ष 1925 में** काकोरी ट्रेन डकैती HRA की एक बड़ी कार्रवाई थी, जिसका उद्देश्य अपनी गतिविधियों और प्रचार हेतु धन प्राप्त करना था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- बिस्मिल और उनके साथी चंद्रशेखर आज़ाद एवं अशफाकउल्ला खान ने लखनऊ के पास काकोरी में ट्रेन लूटने का फैसला किया।
- वे अपने प्रयास में सफल रहे हालाँकि घटना के एक महीने के भीतर एक दर्जन अन्य HRA सदस्यों के साथ गिरफ्तार कर लिये गए और उन पर **काकोरी षडयंत्र केस के तहत मुकदमा चलाया गया।**
- यह कानूनी प्रक्रिया 18 महीने चली। **बिस्मिल, लाहिड़ी, खान और ठाकुर रोशन सिंह को मौत की सज़ा** दी गई।

- **साहित्यिक योगदानः**
  - बिस्मिल ने **हिंदी और उर्दू में देशभक्ति से ओतप्रोत कविताएँ लिखीं,** जिनसे असंख्य भारतीयों को स्वतंत्रता संग्राम में शामिल होने की प्रेरणा मिली।
    - उनकी प्रसिद्ध कविता '**सरफ़रोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है**' स्वतंत्रता आंदोलन का **जयघोष** बन गई।
  - उनकी रचनाओं में सामाजिक न्याय, **मानव गरिमा** तथा **समानता** के प्रति गहरी चिंता परिलक्षित होती है।
- **शहादतः**
  - ब्रिटिश सरकार ने **बिस्मिल को 19 दिसंबर 1927 को गोरखपुर जेल** में फाँसी दे दी।

नोटः

अगस्त 2025 में, उत्तर प्रदेश सरकार ने '**काकोरी कांड' का नाम बदलकर** 'काकोरी ट्रेन एक्शन' **कर दिया, जिसमें कहा गया कि 'कांड' (जिसका अर्थ है 'घटना' या 'घोटाला')** शब्द एक नकारात्मक अर्थ रखता है और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में इस ऐतिहासिक कृत्य के महत्त्व को कम करता है।

एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान

चर्चा में क्यों ?

'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' अभियान के तहत, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) **ने** उत्तर प्रदेश के बागपत में दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर पर 40,000 पेड़ लगाने के लिये **वृक्षारोपण अभियान** शुरू किया।

मुख्य बिंदु

'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' का राष्ट्रव्यापी प्रभावः

- **'एक पेड़ माँ के नाम 2.0'** पहल के अंतर्गत NHAI अब तक **देशभर में राष्ट्रीय राजमार्गों** पर **5.12 लाख से अधिक पेड़** लगा चुका है।
  - इस पहल के दूसरे **चरण का शुभारंभ** प्रधानमंत्री द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस **5 जून, 2025 को** किया गया।
    - इसका उद्देश्य है **माताओं के नाम पर वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करके उन्हें सम्मानित करना** तथा **पर्यावरण संरक्षण को मातृत्व के प्रति श्रद्धांजलि** के साथ जोड़ना, जो यह दर्शाता है कि **माताएँ भी पेड़ों की भाँति जीवन का पोषण और संरक्षण करती हैं।**
- **अभियान का लक्ष्य हैः**
  - राजमार्गों के किनारे **वृक्षारोपण** की पूर्ण संतृप्ति

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- सरकारी निकायों, **स्थानीय प्राधिकरणों तथा समुदायों सहित** अनेक हितधारकों की भागीदारी
- **हरित, लचीले और टिकाऊ** राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का निर्माण

- **भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI):**
  - NHAI की स्थापना NHAI अधिनियम, 1988 के तहत **सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH)** के प्रशासनिक नियंत्रण में की गई थी।
  - **उद्देश्य:** इसे राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना (NHDP) सहित **विकास, रखरखाव और प्रबंधन** हेतु **अन्य लघु परियोजनाएँ** सौंपी गई हैं।
    - **वर्ष 1998 में शुरू की गई NHDP** भारत में **प्रमुख राजमार्गों को उच्चतर स्तर तक उन्नत, पुनर्वासित और चौड़ा** करने की एक परियोजना है।
    - **विजन: राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के प्रावधान और रखरखाव** के लिये **वैश्विक मानकों** के अनुरूप **राष्ट्र की आवश्यकताओं** को पूरा करना तथा **उपयोगकर्त्ताओं की अपेक्षाओं** को **सबसे समयबद्ध और लागत-प्रभावी तरीके** से पूरा करना एवं **लोगों की आर्थिक भलाई व जीवन की गुणवत्ता** को **बढ़ावा देना।**

शारदा नदी

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के सीतापुर ज़िले के देवराघाट के निकट शारदा नदी की तेज़ धाराओं मेंः बह जाने से कई लोगों की मृत्यु हो गई।

मुख्य बिंदु

- **शारदा नदी के बारे में:**
  - उत्पत्ति और प्रवाहमार्ग:
    - शारदा नदी, जिसे ऊपरी भाग में **काली नदी** के नाम से भी जाना जाता है, उत्तराखंड से निकलती है।
    - इसका **उद्गम** महान हिमालय में नंदा देवी पर्वत की पूर्वी ढलानों पर स्थित है।
    - सामान्यत: दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम दिशा में बहती हुई यह **नदी उत्तराखंड (भारत) और पश्चिमी नेपाल के बीच सीमा बनाती है।**
    - पहाड़ों से उतरने के बाद यह नदी **नेपाल** के **बरमदेव मंडी** में सिंधु-गंगा के मैदान में प्रवेश करती है।
- शारदा बैराज के ऊपर नदी का विस्तार बढ़ने के कारण इसे **शारदा नदी** कहा जाता है।
    - भारत में प्रवेश करने के बाद, शारदा नदी उत्तरी उत्तर प्रदेश से होकर दक्षिण-पूर्व की ओर बहती है।
    - यह अंतत: **बहराइच के दक्षिण-पश्चिम में** घाघरा नदी से मिलती है। इसकी कुल लंबाई लगभग 480 किमी. (300 मील) है।
  - प्रमुख सहायक नदियाँ:
    - **शारदा नदी** की प्रमुख सहायक नदियाँ धौलीगंगा, गोरीगंगा तथा सरयू नदी हैं।
  - शारदा बैराज और नहर प्रणाली:
    - **उत्तराखंड में बनबसा के पास स्थित** शारदा बैराज सिंचाई में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
    - यह वर्ष 1930 **में पूरी हुई शारदा नहर का उद्गम स्थल है,** जो उत्तर भारत की सबसे लंबी सिंचाई नहरों में से एक है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

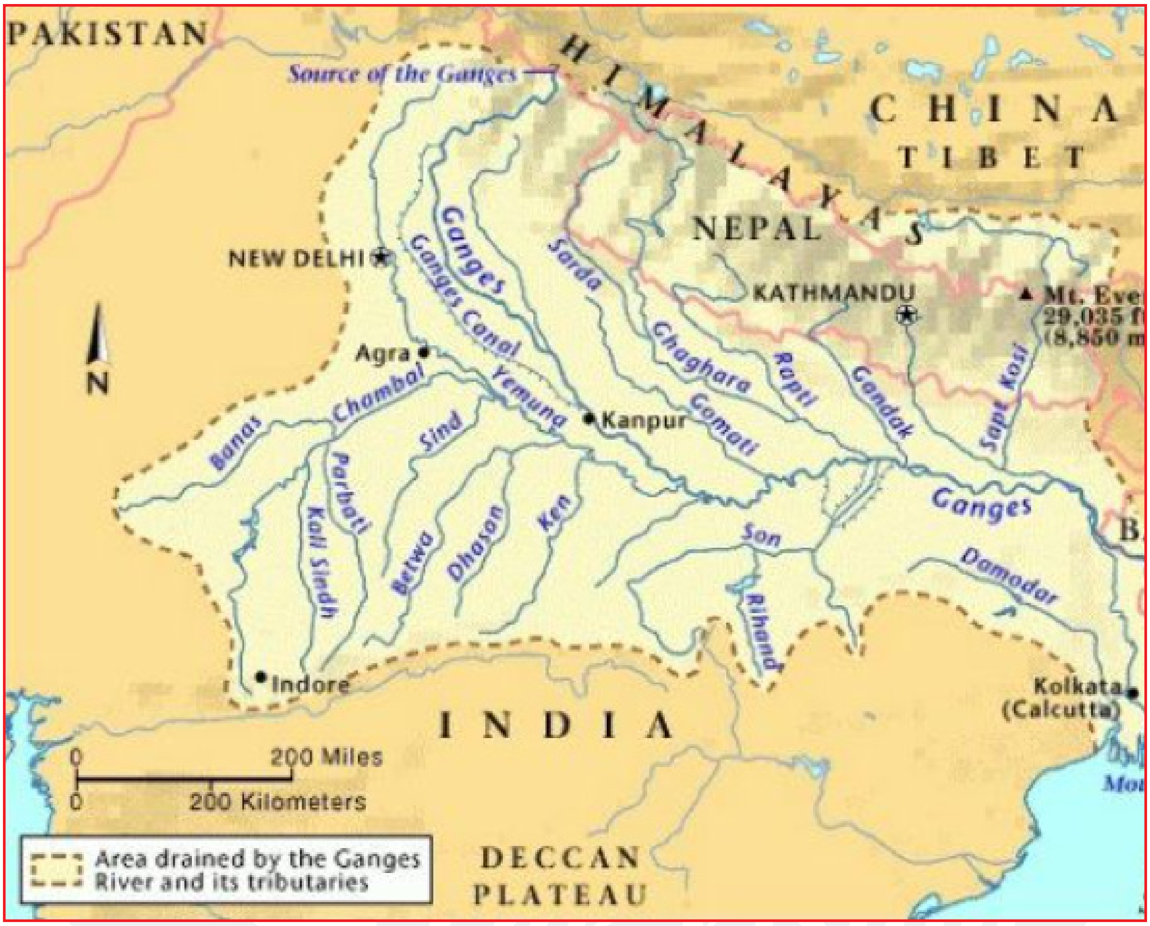

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

घाघरा नदी

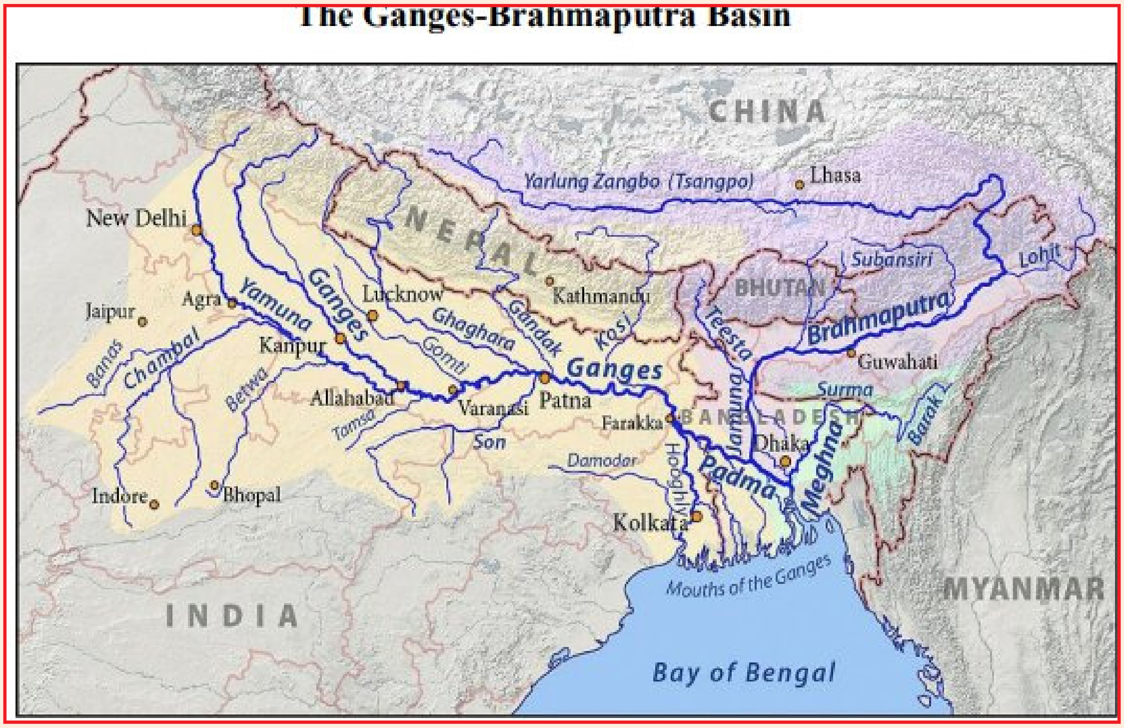

- **उद्गम एवं ऊपरी मार्ग:**
  - **घाघरा नदी**, गंगा नदी की एक प्रमुख **बायीं तटवर्ती सहायक नदी** है। इसका **उद्गम चीन** के **दक्षिणी तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र** के उच्च हिमालय में **करनाली नदी** के रूप में होता है।
  - **नेपाल** से **दक्षिण-पूर्व** की ओर बहते हुए यह नदी **शिवालिक पर्वतमाला** को काटते हुए पहाड़ों से नीचे उतरती है और ती है।
- **नदी का निर्माण:**
  - **शिवालिक श्रेणी** को पार करने के बाद नदी **दो शाखाओं** में विभाजित हो जाती है।
  - ये शाखाएँ **भारत-नेपाल सीमा** के **दक्षिण** में पुन: मिलती हैं तथा **घाघरा नदी** के नाम से जानी जाती हैं।
- **प्रमुख सहायक नदियाँ:**
  - **उत्तर** से घाघरा में मिलने वाली प्रमुख सहायक नदियों में **कुवां नदी**, राप्ती नदी, **छोटी गंडक नदी** शामिल हैं।
  - ये सहायक नदियाँ नदी के **जल-स्तर** में **महत्त्वपूर्ण योगदान** देती हैं तथा **उत्तरी उत्तर प्रदेश** के विस्तृत जलोढ़ मैदानों को आकार देने में सहायता करती हैं।
  - अपने **निचले क्षेत्रों** में **घाघरा नदी** को **सरयू नदी**, **देवहा** आदि नामों से भी जाना जाता है।
  - **दूसरी शताब्दी** के यूनानी भूगोलवेत्ता टॉलेमी ने इसे **सरबोस** नाम से संदर्भित किया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

ULBs को राज्य क्षेत्रक योजना से वित्तीय अनुदान मिलेगा

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार ने नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों सहित शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) को **शहरी विकास विभाग** से अनुमोदन प्राप्त किये बिना 10 **करोड़ रुपए** तक की बुनियादी ढाँचा **परियोजनाओं** को सीधे निष्पादित करने का अधिकार दिया है।

- इस कदम का उद्देश्य **वित्तीय बाधाओं** को दूर करना तथा ULBs को अपने समुदायों की **बुनियादी ढाँचे संबंधी आवश्यकताओं** को, विशेष रूप से **सार्वजनिक हित परियोजनाओं** के लिये, पूरा करने में सक्षम बनाना है।

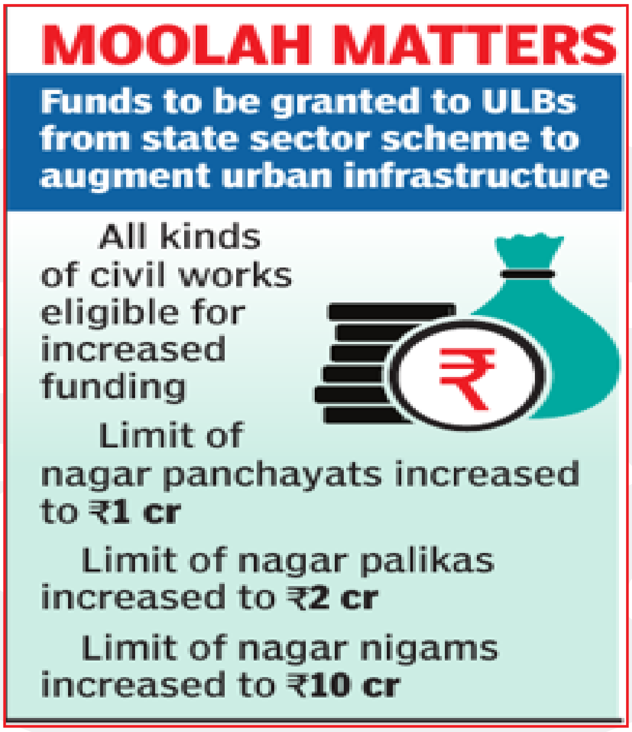

मुख्य बिंदु

- **बुनियादी ढाँचे के कार्यों का विस्तारित क्षेत्र:**
  - प्रारंभ में **शहरी विकास विभाग** ने ULBs को जल निकासी कार्यों के लिये अधिक व्यय सीमा के साथ कार्य करने की अनुमति दी थी। अब इस लचीलेपन को विस्तारित करते हुए विभिन्न प्रकार के **नागरिक निर्माण कार्यों** को भी इसमें शामिल कर लिया गया है।
- **इस योजना के अंतर्गत अब निम्नलिखित प्रकार के कार्यों की अनुमति दी गई है:**
  - सीवरेज लाइनों, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट्स, **पंपिंग स्टेशन** तथा **जल आपूर्ति प्रणालियों** का निर्माण तथा विस्तार।
  - **जल मीटर, ट्यूबवेल, ओवरहेड टैंक** तथा वर्षा जल संचयन प्रणाली की स्थापना।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- जल पुनर्चक्रण तथा जल शोधन ढाँचा।
- **अतिरिक्त अनुमेय कार्य:** ULBs को निम्नलिखित परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिये भी अधिकृत किया गया है:
  - जल निकायों से गाद निकालना।
  - रिटेनिंग वॉल का निर्माण।
  - वृक्षारोपण अभियान।
  - सौर ऊर्जा आधारित प्रकाश व्यवस्था की स्थापना।
- **वित्तीय प्रावधान:**
  - इन परियोजनाओं का वित्तपोषण **ULBs को उपलब्ध बढ़ी हुई** बजटीय आवंटन तथा राज्य क्षेत्रक योजना के अंतर्गत कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु उपलब्ध प्रावधानों के माध्यम से किया जा सकता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि बुनियादी ढाँचे के काम को पूरा करने के लिये धन **आसानी से उपलब्ध हो** ।

उत्तर प्रदेश सरकार ने मक्का खेती की ओर बढ़ते रुझान को रेखांकित किया

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रगतिशील किसानों के बीच **मक्का की खेती** की ओर बढ़ती प्रवृत्ति को रेखांकित किया है, जिसका प्रमुख कारण इस फसल के **आर्थिक लाभ**, **कम जल आवश्यकता** तथा **उच्च पोषणीय मूल्य** को माना गया है।

मुख्य बिंदु

- **मक्का के बारे में मुख्य तथ्य:**
  - मक्का को **पानी की कम आवश्यकता होती है** और यह महत्त्वपूर्ण **पोषणीय लाभ** प्रदान करता है, जिससे यह अनेक किसानों के लिये एक स्थायी विकल्प बन गया है।
  - मक्का की बुवाई के लिये आदर्श समय 15 जून से 15 जुलाई तक है। यदि सिंचाई उपलब्ध है, तो **मई के अंत में बुवाई शुरू की जा सकती है** , जिससे भारी बारिश शुरू होने से पहले जल्दी विकास हो सके।
  - आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने से मक्का की **उपज 100 क्विंटल प्रति हेक्टेयर** तक पहुँच सकती है।
  - **वर्तमान में तमिलनाडु** 59.39 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की औसत उपज के साथ अग्रणी है, जबकि **उत्तर प्रदेश में यह औसत** 21.63 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है, जो वृद्धि की पर्याप्त संभावनाओं को दर्शाता है।
    - परंपरागत रूप से **मेंथा उत्पादन** के लिये प्रसिद्ध **बाराबंकी ज़िले** में अब **मक्का की खेती की ओर तीव्र रूप से झुकाव** देखा जा रहा है।
  - मक्का को इसके प्रचुर पोषक तत्त्वों, जैसे कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, विटामिन और खनिज के कारण **"अनाज की रानी" माना जाता है।**
    - मक्का को **स्वीट कॉर्न, बेबी कॉर्न,** जैव ईंधन (biofuels) तथा बायोप्लास्टिक उत्पादन सहित **अनेक उपयोगों** के लिये उपयुक्त माना जाता है।
- **सरकारी समर्थन:**
  - राज्य सरकार ने किसानों के लिये **क्विक मक्का विकास कार्यक्रम** शुरू किया है तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की भी घोषणा की है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **वर्ष 2024-25 के लिये मक्का का MSP 2,225 रुपए प्रति क्विंटल** निर्धारित किया गया है।
- **मक्का की खरीद 15 जून से 31 जुलाई** तक **विभिन्न ज़िलों** में की जाएगी।
- राज्य सरकार ने **वर्ष 2027 तक मक्का उत्पादन को दुगुना करने** का **लक्ष्य** निर्धारित किया है।

उत्तर प्रदेश में मॉडल रॉकेट का परीक्षण

चर्चा में क्यों?

एस्ट्रोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (ASI) ने IN-SPACe (भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्द्धन और प्राधिकरण केंद्र) तथा भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के सहयोग से अक्तूबर 2025 में निर्धारित छात्र मॉडल रॉकेटरी प्रतियोगिता की तैयारी के तहत **रॉकेट लॉन्च परीक्षणों** का सफलतापूर्वक संचालन किया।

मुख्य बिंदु

- **भारतीय अंतरिक्ष यात्री सोसाइटी (ASI):**
  - भारत में अंतरिक्ष यात्रियों के विकास को बढ़ावा देने के लिये वर्ष 1990 में ASI की स्थापना की गई थी।
  - यह अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्री महासंघ (IAF), **पेरिस** में अपनी भूमिका के माध्यम से विकासशील देशों के हितों का सक्रिय रूप से समर्थन करता है, जहाँ यह एक **मतदान सदस्य** के रूप में कार्य करता है।
- **छात्र मॉडल रॉकेटरी प्रतियोगिता:**
  - कुशीनगर में प्रस्तावित IN-SPACe कैनसैट (CANSAT) तथा मॉडल रॉकेटरी इंडिया छात्र प्रतियोगिता 2024-25, स्नातक छात्रों को **अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी** का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगी। इसमें छात्र CANSAT तथा मॉडल रॉकेट के **डिज़ाइन, निर्माण और प्रक्षेपण** में भाग लेंगे।
    - कैनसैट वे छोटे उपग्रह होते हैं, जो सॉफ्ट ड्रिंक के डिब्बे में समा जाते हैं। इन्हें साउंडिंग रॉकेट के माध्यम से कुछ सौ मीटर की ऊँचाई तक प्रक्षेपित किया जाता है और पैराशूट के सहारे नीचे उतारा जाता है।

भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (IN-SPACe)

- **परिचय:**
  - IN-SPACe एक एकल-द्वार, स्वतंत्र और नोडल एजेंसी है, जो **अंतरिक्ष विभाग (DOS)** के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्था के रूप में कार्य करती है। इसका गठन वर्ष 2020 में अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों के बाद, निजी क्षेत्र की भागीदारी को सक्षम एवं सुविधाजनक बनाने के लिये किया गया था।
- **प्रमुख कार्य:**
  - IN-SPACe गैर-सरकारी संस्थाओं (NGEs) की अंतरिक्ष गतिविधियों को **प्रोत्साहित**, अधिकृत और पर्यवेक्षण करता है। इसके अंतर्गत प्रक्षेपण वाहनों का निर्माण, अंतरिक्ष सेवाएँ प्रदान करना, ISRO के बुनियादी ढाँचे को साझा करना तथा नई अंतरिक्ष सुविधाओं की स्थापना शामिल है।
  - IN-SPACe, **ISRO** और NGEs के बीच इंटरफेस के रूप में कार्य करता है, जिससे अंतरिक्ष अभियानों में निजी क्षेत्र की भागीदारी को सरल और प्रभावी बनाया जा सके।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)

- **परिचय:**
  - ISRO का मुख्यालय बंगलूरू, कर्नाटक में स्थित है। यह अंतरिक्ष विभाग के अधीन कार्य करता है और भारत की राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी है, जो राष्ट्रीय तथा वैश्विक हितों के लिये अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:**
  - ISRO का विकास **भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति (INCOSPAR)** से हुआ, जिसकी स्थापना वर्ष 1962 में डॉ. विक्रम साराभाई के दृष्टिकोण के तहत की गई थी।
  - वर्ष 1969 में ISRO को औपचारिक रूप से स्थापित किया गया, जिसने INCOSPAR का स्थान लिया और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की भूमिका को सुदृढ़ किया।
- वर्ष 1972 में अंतरिक्ष विभाग की स्थापना हुई और ISRO को इसके प्रशासनिक नियंत्रण में लाया गया।
- **मुख्य उद्देश्य:**
  - ISRO/अंतरिक्ष विभाग का लक्ष्य राष्ट्रीय आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु **अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी** का विकास एवं अनुप्रयोग करना है, जिनमें शामिल हैं:
    - संचार और प्रसारण
    - मौसम सेवाएँ
    - संसाधन निगरानी और प्रबंधन
    - नेविगेशन तथा पोजिशनिंग सिस्टम
- **प्रमुख उपलब्धियाँ:**
  - ISRO ने भारत में टेलीविज़न, मौसम पूर्वानुमान तथा उपग्रह आधारित संसाधन मानचित्रण के लिये प्रमुख **अंतरिक्ष प्रणालियाँ** विकसित की हैं।
  - इसने उपग्रहों को वांछित कक्षा में स्थापित करने हेतु ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (PSLV) तथा भूस्थिर उपग्रह प्रक्षेपण यान (GSLV) जैसे **स्वदेशी प्रक्षेपण यान** भी विकसित किये हैं।

लखनऊ का यूनेस्को गैस्ट्रोनॉमी शहर के लिये नामांकन

चर्चा में क्यों?

अपनी संस्कृति, व्यंजन परंपरा और विरासत के लिये प्रसिद्ध **लखनऊ** को आधिकारिक तौर पर **"गैस्ट्रोनॉमी के शहर"** श्रेणी के तहत यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (UCCN) में नामांकन हेतु प्रस्तुत किया गया है।

- वर्तमान में, **हैदराबाद** भारत का **एकमात्र शहर** है जिसे UCCN के तहत "गैस्ट्रोनॉमी का शहर" का **दर्जा प्राप्त** है।

मुख्य बिंदु

- **यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क (UCCN):**
  - इसकी स्थापना वर्ष 2004 में उन **शहरों के बीच सहयोग को बढ़ावा** देने के लिये की गई थी, जिन्होंने **रचनात्मकता** को सतत् शहरी विकास के लिये एक **रणनीतिक कारक** के रूप में पहचाना है।
  - सतत् विकास लक्ष्य (SDG)-11 का उद्देश्य **शहरों और मानव बस्तियों** को **समावेशी, सुरक्षित, टिकाऊ और सक्षम** बनाना है।
  - नेटवर्क में सात रचनात्मक क्षेत्र शिल्प एवं लोक कला, **मीडिया कला, फिल्म, डिज़ाइन, गैस्ट्रोनॉमी, साहित्य** और **संगीत** शामिल हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- गैस्ट्रोनॉमी क्षेत्र में **सदस्य शहरों में** अल्बा (इटली), अरेक्विपा (पेरू), बर्गेन (नॉर्वे), बेलेम (ब्राज़ील) और बेंडिगो (ऑस्ट्रेलिया) शामिल हैं।

- **UCCN में भारतीय शहर (2023 तक):**
  - कुल 10 **भारतीय शहर** विभिन्न रचनात्मक क्षेत्रों में **UCCN** का हिस्सा हैं, जिनमें मुख्य हैं– **कोझीकोड** (साहित्य), **ग्वालियर** (संगीत), **जयपुर** (शिल्प और लोक कला), वाराणसी (संगीत), **चेन्नई** (संगीत), **मुंबई** (फिल्म), **हैदराबाद** (पाककला), श्रीनगर (शिल्प और लोक कला)।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी पुण्यतिथि (24 जून) पर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा अखंड भारत के लिये उनके दृष्टिकोण और अनुच्छेद 370 को समाप्त करने पर प्रकाश डाला।

मुख्य बिंदु

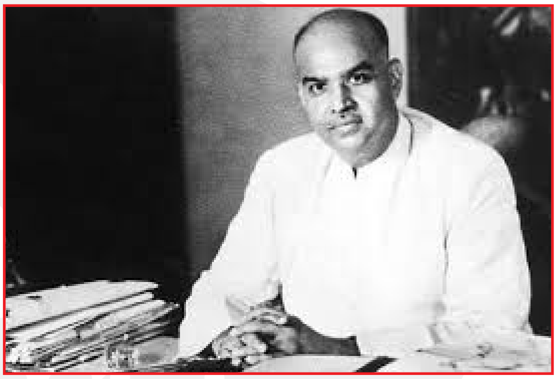

- **परिचय एवं उपलब्धियाँ:**
  - श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म **6 जुलाई, 1901** को **कलकत्ता** में एक बंगाली ब्राह्मण परिवार में हुआ था।
  - वह एक भारतीय **राजनीतिज्ञ, बैरिस्टर और शिक्षाविद** थे जिन्होंने प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के मंत्रिमंडल में उद्योग और आपूर्ति मंत्री के रूप में कार्य किया।
  - उन्होंने वर्ष 1922 में **बंगाली पत्रिका "बंगवाणी"** और वर्ष 1940 में **द नेशनलिस्ट** की शुरुआत की।
  - श्यामा प्रसाद मुखर्जी 33 वर्ष की आयु में वर्ष 1934 में कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा **कुलपति** बने और वर्ष 1938 तक इस पद पर रहे।
- **स्वतंत्रता के बाद:**
  - वर्ष 1946 में उन्होंने बंगाल विभाजन का समर्थन किया ताकि इसके हिंदू-बहुल क्षेत्रों को मुस्लिम बहुल पूर्वी पाकिस्तान में शामिल होने से रोका जा सके।
  - वर्ष 1947 में उन्होंने सुभाष चंद्र बोस के भाई शरत बोस और बंगाली मुस्लिम राजनेता **हुसैन शहीद सुहरावर्दी** द्वारा प्रस्तावित **संयुक्त किंतु स्वतंत्र बंगाल** की असफल पहल का भी विरोध किया।
  - उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्ववर्ती भारतीय जनसंघ (BJS) की स्थापना की और इसके पहले अध्यक्ष बने।
  - वह **अनुच्छेद 370** और बिना पूर्व अनुमति के **जम्मू-कश्मीर** में प्रवेश पर रोक लगाने वाले अन्य प्रतिबंधों के खिलाफ थे।
    - वह जम्मू-कश्मीर राज्य के भारतीय संघ में पूर्ण एकीकरण के पक्ष में थे।
- **मृत्यु:**
  - जून 1953 में कश्मीर को दिये गए **विशेष दर्जे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते समय** हिरासत में रहने के दौरान रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी **मृत्यु** हो गई।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

वाराणसी में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता **मंत्री ने** उत्तर प्रदेश के वाराणसी में 25वीं मध्य क्षेत्रीय परिषद बैठक की अध्यक्षता की।

- **इसका आयोजन** अंतर-राज्यीय परिषद **सचिवालय** द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से किया गया था।

मुख्य बिंदु

बैठक के बारे में:

- प्रधानमंत्री की **दृढ़ इच्छाशक्ति** तथा भारतीय सशस्त्र बलों की **बहादुरी** की प्रशंसा करने वाले **प्रस्ताव** को **मध्य क्षेत्रीय परिषद** द्वारा **सर्वसम्मति** से अनुमोदित किया गया।
- गृह मंत्री ने इस बात पर **प्रकाश डाला** कि **मध्य क्षेत्रीय परिषद** एकमात्र ऐसी **क्षेत्रीय परिषद** है, जहाँ **सदस्य राज्यों** के बीच कोई **मुद्दा** या **विवाद** मौजूद नहीं है तथा यह एक **महत्त्वपूर्ण उपलब्धि** है।
- **वर्ष 2004 से 2014** के बीच जहाँ केवल **11 क्षेत्रीय परिषद बैठकें** तथा **14 स्थायी समिति बैठकें** आयोजित हुईं, वहीं वर्ष **2014 से 2025** के बीच **28 क्षेत्रीय परिषद बैठकें** तथा **33 स्थायी समिति बैठकें** हुईं, जो **दोगुनी वृद्धि** को दर्शाता है।
- इन बैठकों में कुल **1,287 मुद्दों** का **समाधान** किया गया, जो एक ऐतिहासिक और उत्साहवर्द्धक उपलब्धि है।
- अन्य प्रमुख मुद्दों के अतिरिक्त महिलाओं तथा बच्चों के खिलाफ बलात्कार के मामलों की त्वरित जाँच तथा न्यायिक निपटान के लिये फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालयों (FTSC) की स्थापना, प्रत्येक गाँव के निर्दिष्ट दायरे में भौतिक बैंकिंग सुविधाओं का प्रावधान तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता **प्रणाली** (ERSS-112) के **कार्यान्वयन** सहित कुल **19 मुद्दों** पर **विस्तृत चर्चा** की गई।
- गृह मंत्री ने आह्वान किया कि **परिषद** के सभी **राज्यों** को बाल कुपोषण का **उन्मूलन**, स्कूल छोड़ने वालों की दर को **शून्य** तक लाना तथा **सहकारी क्षेत्र** को मज़बूत करने के लिये प्रतिबद्धता दिखाएँ।
- उन्होंने सदस्य राज्यों से यह भी आग्रह किया कि वे ग्राम पंचायतों के राजस्व में वृद्धि करें तथा भारत की त्रिस्तरीय पंचायती राज प्रणाली को मज़बूत करने के लिये नियम बनाएँ।

क्षेत्रीय परिषदें

- **परिचय:**
  - **क्षेत्रीय परिषदें** राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के तहत स्थापित **वैधानिक निकाय** हैं, **राज्यों के बीच सहकारी कार्य** को बढ़ावा देने और एक **स्वस्थ अंतर-राज्यीय तथा केंद्र-राज्य वातावरण** बनाने के लिये एक **उच्च-स्तरीय सलाहकार मंच के रूप** में की गई है।
  - क्षेत्रीय परिषदों का विचार पहली बार पूर्व **प्रधानमंत्री** जवाहरलाल नेहरू **द्वारा** 1956 में राज्य पुनर्गठन आयोग (फज़ल अली आयोग, 1953) की **रिपोर्ट** पर चर्चा के दौरान प्रस्तावित किया गया था।
  - **राज्य पुनर्गठन अधिनियम,** 1956 की **धारा 15 से 22** के अंतर्गत **पाँच क्षेत्रीय परिषदों** की स्थापना की गई।
  - उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के लिये एक **अलग परिषद** है, जिसे पूर्वोत्तर परिषद कहा जाता है। इसकी स्थापना वर्ष 1972 **में, पूर्वोत्तर परिषद अधिनियम,** 1972 के अंतर्गत की गई थी।
  - सात **पूर्वोत्तर राज्यों को क्षेत्रीय परिषदों में शामिल नहीं किया गया है और उनकी विशेष समस्याओं को** पूर्वोत्तर परिषद **अधिनियम,** 1972 के तहत स्थापित **पूर्वोत्तर परिषद** द्वारा देखा जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

नोट :

- **पूर्वोत्तर परिषद (संशोधन) अधिनियम,** 2002 के तहत सिक्किम राज्य को भी पूर्वोत्तर परिषद में शामिल किया गया है।
- **संघटन:**

क्षेत्रीय परिषद	राज्य अमेरिका
मध्य क्षेत्रीय परिषद	उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड
उत्तरी क्षेत्रीय परिषद	हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली, चंडीगढ़
पूर्वी क्षेत्रीय परिषद	बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, सिक्किम
पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद	राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, दादरा और नगर हवेली, दमन एवं दीव
दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद	आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, पुदुचेरी

- **संगठनात्मक संरचना:**
  - **अध्यक्ष:** सभी पाँच क्षेत्रीय परिषदों के लिये **केंद्रीय गृहमंत्री** अध्यक्ष होते हैं। वे **पूर्वोत्तर परिषद (NEC)** के **पदेन अध्यक्ष** भी होते हैं।
  - **उपाध्यक्ष:** किसी एक सदस्य राज्य के मुख्यमंत्री होते हैं, जिन्हें **वार्षिक क्रमानुसार** के आधार पर चुना जाता है।
  - **सदस्य:** इसके सदस्यों में सदस्य राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के **मुख्यमंत्री**, **उपराज्यपाल या प्रशासक** शामिल होते हैं।
    - इसके अतिरिक्त, प्रत्येक सदस्य राज्य से **राज्यपाल** दो मंत्रियों को परिषद के सदस्य के रूप में नामित करता है।
  - **सलाहकार: नीति आयोग** (पूर्व में योजना आयोग) से एक नामित व्यक्ति, सदस्य राज्यों के मुख्य सचिव और विकास आयुक्त।
    - प्रत्येक **क्षेत्रीय परिषद** में एक **स्थायी समिति होती है, जिसमें** सदस्य राज्यों के **मुख्य सचिव** शामिल होते हैं। **राज्य द्वारा प्रस्तावित मुद्दों पर सबसे पहले इस समिति द्वारा चर्चा की जाती है और फिर अनसुलझे मामलों को** आगे के विचार-विमर्श के लिये पूर्ण **क्षेत्रीय परिषद के समक्ष रखा जाता है।**
- **उद्देश्य:**
  - राष्ट्रीय एकीकरण को साकार करना।
  - **तीव्र राज्यक संचेतना, क्षेत्रवाद तथा विशेष प्रकार की प्रवृत्तियों के विकास को रोकना।**
  - केंद्र एवं राज्यों को विचारों एवं अनुभवों का आदान-प्रदान करने तथा सहयोग करने के लिये सक्षम बनाना।
  - विकास परियोजनाओं के सफल एवं तीव्र निष्पादन के लिये राज्यों के बीच सहयोग के वातावरण की स्थापना करना।
- **कार्य:** प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद एक **सलाहकार निकाय** होती है और निम्नलिखित विषयों पर चर्चा एवं अनुशंसा कर सकती है-
  - **आर्थिक और सामाजिक नियोजन** के क्षेत्र में सामान्य हित का कोई भी मामला;
  - सीमा विवाद, भाषाई अल्पसंख्यकों या अंतर-राज्यीय परिवहन से संबंधित कोई भी मामला;
  - राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के तहत राज्यों के पुनर्गठन से संबंधित या उससे उत्पन्न कोई भी मामला।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

नोट :

चंबल नदी में घड़ियाल शावकों की संख्या में वृद्धि

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य में **इटावा रेंज में 1,186** तथा **बाह रेंज में 840** घड़ियाल के बच्चे पैदा हुए हैं, जो अब चंबल नदी में आनंदपूर्वक विचरण कर रहे हैं।

- घड़ियाल के अंडों को सेने (Incubation) में 50 से 60 दिन लगते हैं तथा जून के आरंभ में बच्चे बाहर निकलते हैं और यह प्रक्रिया लगभग **एक माह तक चलती है।**

मुख्य बिंदु

घड़ियाल के बारे में:

- **परिचय**
  - **घड़ियाल (*Gavialis gangeticus*)** अपने लंबे थूथन के कारण अन्य मगरमच्छों से अलग है।
  - ये **सबसे बड़े जीवित** सरीसृप हैं, जो मुख्य रूप से **मीठे पानी के दलदलों, झीलों और नदियों** में रहते हैं, जिनमें एक **खारे पानी की प्रजाति भी शामिल** है।
  - ये **रात्रिचर** और **पोइकिलोथर्मिक** (जिन्हें बाह्य-ऊष्मीय या शीत-रक्तीय जीव कहा जाता है तथा इनके शरीर का तापमान आसपास के वातावरण के साथ बदलता रहता है) होते हैं।
- **वितरण:**
  - **भारतीय वन्यजीव संस्थान** के अनुसार, घड़ियाल **भारत, भूटान, बांग्लादेश, नेपाल तथा पाकिस्तान** की ब्रह्मपुत्र, **गंगा**, **सिंधु** एवं **महानदी-ब्रह्मणी-बैतरणी नदी प्रणालियों** में व्यापक रूप से पाए जाते हैं।
  - वर्तमान में, उनकी प्रमुख आबादी **गंगा की तीन सहायक** नदियों (भारत में चंबल और गिरवा, तथा नेपाल में राप्ती-नारायणी नदी) में पाई जाती है।
  - ओडिशा भारत का एकमात्र राज्य है, जहाँ तीनों देशज मगरमच्छ प्रजातियाँ- **घड़ियाल** (Gavialis gangeticus), **मगर** (Crocodylus palustris) और **खारे पानी के मगरमच्छ** (Crocodylus porosus) प्राकृतिक रूप से पाई जाती हैं।
- **जनसंख्या:**
  - भारत में वैश्विक घड़ियालों की कुल जंगली आबादी का **लगभग 80% हिस्सा** रहता है। लगभग **3,000 घड़ियाल** देश के विभिन्न संरक्षित क्षेत्रों जैसे- राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य, कतर्नियाघाट तथा **सोन घड़ियाल अभयारण्य** में पाए जाते हैं।
- **मगरमच्छ संरक्षण परियोजना:**
  - भारत ने **संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम और खाद्य एवं कृषि संगठन** के सहयोग से ओडिशा के **भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान** में **मगरमच्छ संरक्षण परियोजना** का शुभारंभ किया।
  - इसने **"रियर एंड रिलीज़" पद्धति** को अपनाया, **भितरकनिका और सतकोसिया टाइगर रिज़र्व** जैसे संरक्षित आवासों का निर्माण किया तथा **कैप्टिव ब्रीडिंग** और **जन-जागरूकता** को बढ़ावा दिया, जिससे यह मगरमच्छ संरक्षण के लिये एक राष्ट्रीय मॉडल बन गया है।
  - **विश्व मगरमच्छ दिवस (17 जून)** पर, भारत अपने **मगरमच्छ संरक्षण परियोजना (CCP) (1975-2025) के 50 वर्ष पूरे होने** का स्मरण स्मरण कर रहा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

भारत में मगरमच्छ की प्रजातियाँ

भारत में मगरमच्छ की तीन विविध प्रजातियाँ पाई जाती हैं - मगर, खारे पानी का मगरमच्छ, और घड़ियाल- देश भर में अलग-अलग आवासों में पाए जाते हैं।

दृष्टिकोण	घड़ियाल	मगर /भारतीय मगरमच्छ	खारे पानी का मगरमच्छ
वैज्ञानिक नाम	गेवियलिस गैंगेटिकस 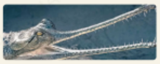	क्रोकोडायलस पलुस्ट्रिस	क्रोकोडायलस पोरोसस
वितरण: भारत	**बहुल आबादी:** राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य (उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश) **आबादी:** सोन, गंडक, हुगली, घाघरा और सतकोसिया वन्य जीव अभयारण्य (ओडिशा)	संपूर्ण भारत में	पूर्वी तट (ओडिशा का भितरकनिका वन्य जीव अभयारण्य, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तट और सुंदरवन)
वितरण: पड़ोस	भूटान और बांग्लादेश की ब्रह्मपुत्र और इरावदी नदी	भूटान और म्यांमार में विलुप्त	पूरे दक्षिण पूर्व एशिया में
विशेष सुविधा	सभी मगरमच्छों में सबसे लंबा, लंबा और पतले मुँह वाला	अंडे देने वाले, घोंसला बनाने वाले, चौड़े और यू-आकार का मुँह	सबसे अधिक जीवित सरीसृप, नुकीला और V-आकार का मुँह
प्राकृतिक वास	ताज़े जल	ताज़े जल	खारा पानी, खारा और आर्द्रभूमि
IUCN स्थिति	CR	VU	LC
CITES स्थिति	परिशिष्ट I	परिशिष्ट I	परिशिष्ट I
CMS स्थिति	परिशिष्ट I	-	परिशिष्ट II
WPA,1972 स्थिति	अनुसूची I	अनुसूची I	अनुसूची I
संकट	बाँध, प्रदूषण, रेत खनन	आवास नष्ट हो गए हैं	इसका खाल और पर्यावास हानि के लिये शिकार हुआ
सरकारी पहल	▪ ओडिशा: महानदी नदी बेसिन में घड़ियाल के संरक्षण के लिये 1000 रुपए का पुरस्कार ▪ भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975	▪ भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975 ▪ मगर संरक्षण कार्यक्रम ▪ मद्रास क्रोकोडाइल बैंक ट्रस्ट	भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975

विविध तथ्य

- **17 जून:** विश्व मगरमच्छ दिवस
- **वार्षिक सरीसृप जनगणना, 2023:** खारे पानी के मगरमच्छों की संख्या में मामूली वृद्धि **(भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान और इसके आस-पास के क्षेत्र)**
- **ओडिशा का केंद्रपाड़ा ज़िला:** भारत का एकमात्र ज़िला जहाँ मगरमच्छ की तीनों प्रजातियाँ पाई जाती हैं।

Drishti IAS

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य

- इसे वर्ष 1979 में चंबल नदी की लगभग 425 किमी लंबाई में एक नदी अभयारण्य के रूप में स्थापित किया गया था।
- इसके **बीहड़** राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के त्रि-बिंदु के पास **चंबल नदी** के किनारे 2-6 किमी तक विस्तृत हैं।
- राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य को **महत्त्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र (IBA)** के रूप में सूचीबद्ध किया गया है तथा यह एक प्रस्तावित रामसर स्थल भी है।

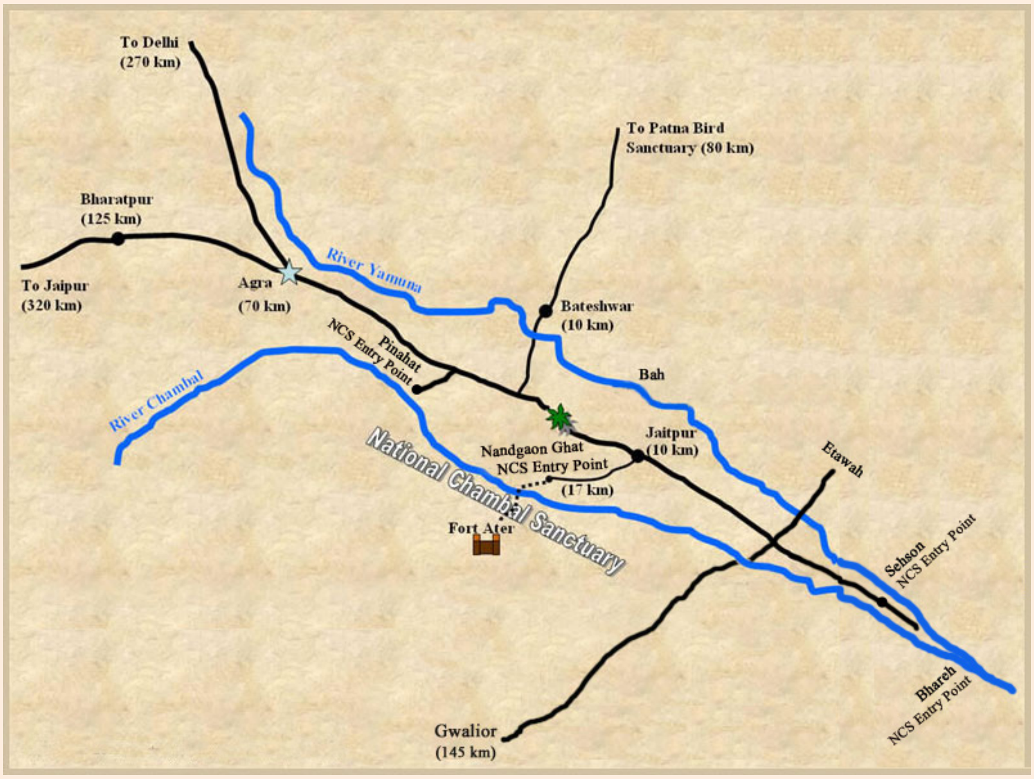

उत्तर प्रदेश में बनेंगे चार आधुनिक बचाव केंद्र

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार मानव और बड़े मांसाहारी जीवों के बीच बढ़ते टकराव को देखते हुए चार **आधुनिक बचाव केंद्रों** की स्थापना कर रही है।

मुख्य बिंदु

बचाव केंद्रों के बारे में

- **वन एवं वन्यजीव विभाग** मानव-वन्यजीव संघर्षों, विशेष रूप से बाघ, तेंदुआ **और सियार** जैसे **बड़े मांसाहारी जानवरों** के संघर्षों को कम करने और उनसे निपटने के लिये **चार आधुनिक बचाव केंद्र** स्थापित कर रहा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- ये **बचाव केंद्र** रणनीतिक रूप से प्रमुख क्षेत्रों में स्थापित किये जाएंगे: **पश्चिमी उत्तर प्रदेश**, **तराई**, **अवध** **और** **बुंदेलखंड**, ताकि **मानव बस्तियों** में भटक कर आने वाले **जंगली जानवरों** को **सुरक्षित आश्रय** प्रदान किया जा सके।
- इन केंद्रों के लिये जिन विशिष्ट स्थानों का चयन किया गया है, उनमें **हस्तिनापुर वन्यजीव अभयारण्य (मेरठ), पीलीभीत टाइगर रिज़र्व, सोहागीबरवा वन्यजीव अभयारण्य (महराजगंज)** तथा **रानीपुर वन्यजीव अभयारण्य (चित्रकूट)** शामिल हैं।
- **राज्य सरकार** ने इन बचाव केंद्रों की स्थापना के लिये **57.2 करोड़ रुपए** आवंटित किये हैं, जो इस पहल के **महत्त्व** को दर्शाता है।

मानव-वन्यजीव संघर्ष

- **परिचय:**
  - **मानव-वन्यजीव संघर्ष** उन स्थितियों को संदर्भित करता है जहाँ मानव गतिविधियों, जैसे कि कृषि, बुनियादी ढाँचे का विकास अथवा संसाधन निष्कर्षण, में वन्यजीवों के साथ संघर्ष की स्थिति होती है, परिणामस्वरूप मानव एवं वन्यजीवों दोनों के लिये नकारात्मक परिणाम सामने आते हैं।
- **प्रभाव:**
  - **आर्थिक क्षति:** मानव-वन्यजीव संघर्ष के परिणामस्वरूप **लोगों**, विशेष रूप से किसानों और पशुपालकों **की** **आर्थिक क्षति** हो सकती है। वन्यजीव फसलों को नष्ट कर सकते हैं, बुनियादी ढाँचे को नुकसान पहुँचा सकते हैं तथा पशुधन को हानि पहुँचा सकते हैं जिससे वित्तीय कठिनाई हो सकती है।
  - **मानव सुरक्षा के लिये खतरा:** जंगली जानवर **मानव सुरक्षा** के लिये खतरा उत्पन्न कर सकते हैं, खासकर उन क्षेत्रों में जहाँ मानव और वन्यजीव सह-अस्तित्व में रहते हैं। शेर, बाघ और भालू जैसे बड़े शिकारियों के हमलों के परिणामस्वरूप गंभीर चोट या मृत्यु हो सकती है।
  - **पारिस्थितिक क्षति:** मानव-वन्यजीव संघर्ष पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। उदाहरण के लिये, यदि मानव शिकारी-जीवों को मारते हैं तो **शिकार प्रजातियों की आबादी में वृद्धि** हो सकती है, जो पारिस्थितिक असंतुलन का कारण बन सकती है।
  - **संरक्षण चुनौतियाँ:** मानव-वन्यजीव संघर्ष भी संरक्षण प्रयासों के लिये एक चुनौती उत्पन्न कर सकता है, क्योंकि इससे वन्यजीवों की नकारात्मक धारणा हो सकती हैं तथा संरक्षण उपायों को लागू करना कठिन हो सकता है।
  - **मनोवैज्ञानिक प्रभाव:** मानव-वन्यजीव संघर्ष का लोगों पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी हो सकता है, विशेष रूप से उन लोगों पर जिन्होंने हमलों या **संपत्ति के नुकसान** का अनुभव किया है। यह भय, चिंता और आघात का कारण बन सकता है।
- **मानव-वन्यजीव संघर्ष से निपटने के लिये सरकारी उपाय:**
  - **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972:** यह अधिनियम गतिविधियों, शिकार पर प्रतिबंध, वन्यजीव आवासों की सुरक्षा और प्रबंधन तथा संरक्षित क्षेत्रों की स्थापना आदि के लिये कानूनी ढाँचा प्रदान करता है।
  - **जैविक विविधता अधिनियम, 2002:** भारत, **जैविक विविधता पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन** का एक हिस्सा है। यह सुनिश्चित करता है कि जैविक विविधता अधिनियम वनों और वन्यजीवों से संबंधित **मौजूदा कानूनों का उल्लंघन करने के बजाय पूरक** है।
  - **राष्ट्रीय वन्यजीव कार्य योजना (2002-2016):** यह संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क को मज़बूत करने और बढ़ाने, लुप्तप्राय वन्यजीवों तथा उनके आवासों के संरक्षण, वन्यजीव उत्पादों में व्यापार को नियंत्रित करने एवं अनुसंधान, शिक्षा व प्रशिक्षण पर केंद्रित है।
  - **राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA):** यह अपनी विकास योजनाओं और परियोजनाओं में आपदा की रोकथाम या इसके प्रभावों को कम करने के उपायों को एकीकृत करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों या विभागों द्वारा पालन किये जाने वाले दिशा-निर्देश निर्धारित करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

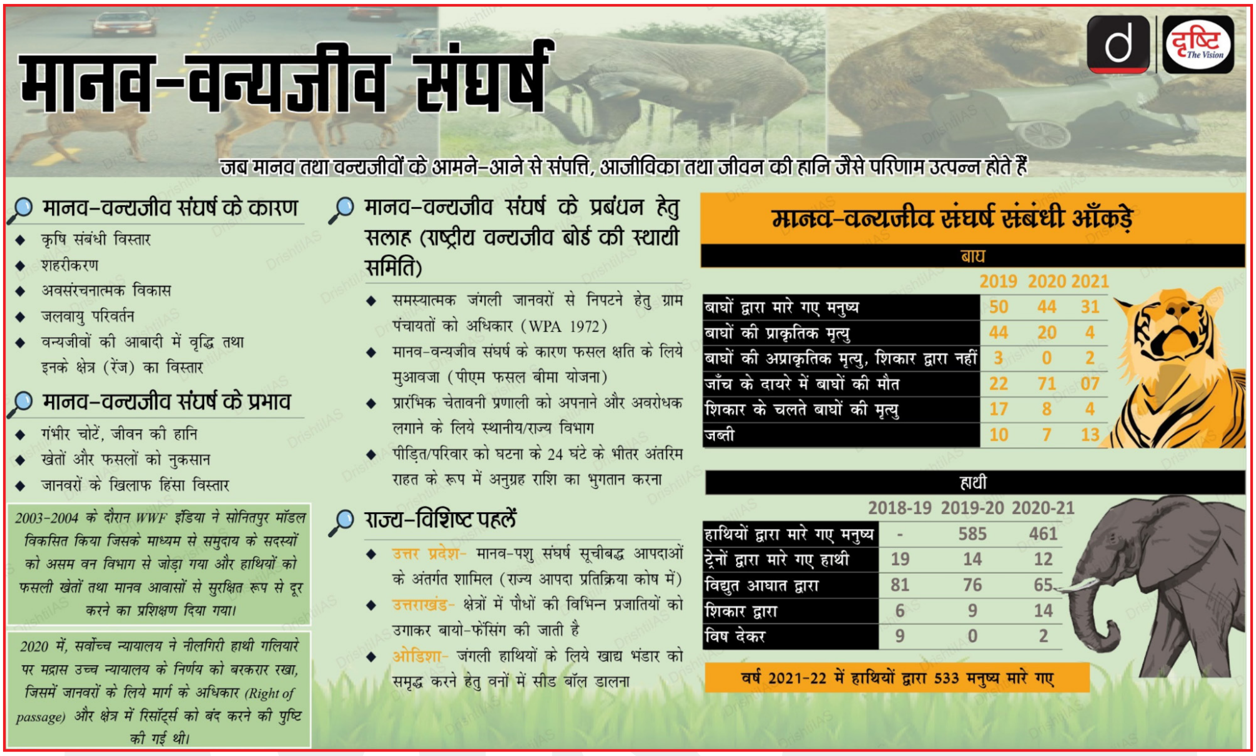

IOC की पहली महिला अध्यक्ष

चर्चा में क्यों ?

23 जून 2025 को, IOC की **131वीं वर्षगाँठ** के अवसर पर क्रिस्टी कोवेंट्री अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) की **पहली महिला** तथा **पहली अफ्रीकी अध्यक्ष** बनीं।

- थॉमस बाक, जिन्होंने 2013 से प्रारंभ होकर 12 वर्षों का कार्यकाल पूर्ण किया, अब IOC अध्यक्ष के **मानद पद** को ग्रहण करेंगे।

मुख्य बिंदु

क्रिस्टी कोवेंट्री के बारे में

- **ओलंपिक सफलता:**
  - वह ज़िम्बाब्वे की सबसे सफल ओलंपियन हैं, जिन्होंने देश के कुल आठ में से सात ओलंपिक पदक जीते हैं।
  - किसी भी अफ्रीकी खिलाड़ी ने उनसे अधिक ओलंपिक पदक नहीं जीते हैं। वे बैकस्ट्रोक और मेडली तैराकी में विशेषज्ञ रही हैं।
  - एथेंस 2004 ओलंपिक में, उन्होंने तीन पदक जीते: 200 मीटर बैकस्ट्रोक में स्वर्ण, 100 मीटर बैकस्ट्रोक में रजत और 200 मीटर मेडले में कांस्य।
  - उन्होंने बीजिंग 2008 में 200 मीटर बैकस्ट्रोक में अपना खिताब बरकरार रखा और तीन रजत पदक भी जीते।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **विश्व खिताब और सेवानिवृत्ति:**
  - कोवेंट्री ने वर्ष 2005 और 2009 में तीन लॉन्ग-कोर्स विश्व खिताब तथा वर्ष 2008 में चार शॉर्ट-कोर्स स्वर्ण पदक जीते।
  - उन्होंने रियो ओलंपिक 2016 के बाद प्रतिस्पर्द्धात्मक तैराकी से संन्यास लिया, जो उनका **पाँचवाँ ओलंपिक** था।

- **सरकारी भूमिका:**
  - सितंबर 2018 में उन्हें ज़िम्बाब्वे की **युवा, खेल, कला एवं मनोरंजन मंत्री** नियुक्त किया गया।
- **IOC में सहभागिता:**
  - उन्हे वर्ष 2013 में एथलीट आयोग की सदस्य के रूप में IOC में चुना गया तथा वर्ष 2021 में उन्हें स्वतंत्र IOC सदस्य के रूप में पुन: निर्वाचित किया गया।
- **IOC अध्यक्ष के रूप में भूमिका:**
  - वह अपने पहले ओलंपिक खेलों के रूप में वर्ष 2026 शीतकालीन ओलंपिक खेल मिलानो कॉर्टिना की देखरेख करेंगी।
  - वे वर्ष 2028 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक की मेज़बान शहर के चयन की प्रक्रिया की भी निगरानी करेंगी।
  - **कतर और सऊदी अरब** जैसे संभावित दावेदारों पर विचार चल रहा है, तथा IOC की नई प्रक्रिया के तहत **पसंदीदा उम्मीदवार** को शीघ्र चुना जा सकता है।
  - वे लगभग 100 **IOC सदस्यों** के साथ बंद-द्वार सत्र की अध्यक्षता करेंगी, जिनमें वर्तमान व पूर्व राष्ट्राध्यक्ष, कारोबारी नेता, खिलाड़ी तथा ओलंपिक खेल संगठनों के प्रमुख शामिल होंगे।
  - उन्होंने अपने अध्यक्षीय कार्यकाल को **ओलंपिक मंच की संरक्षकता** के रूप में रेखांकित करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य **प्रेरणा देना, जीवन बदलना तथा दुनिया भर में आशा फैलाना** है। वे अगले **आठ वर्षों तक IOC का नेतृत्व** करेंगी।

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति

- IOC **स्विट्ज़रलैंड के लॉज़ेन** में स्थित एक गैर-सरकारी अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जो वर्ष 1894 में अस्तित्व में आया था।
- यह समिति **ओलंपिक खेलों के नियम व दिशा-निर्देश तय करती है**, तथा यह निर्धारित करती है कि अगले ओलंपिक खेल **कब और कहाँ** होंगे।
- IOC एक स्थायी संगठन है जो **अपने सदस्यों का चुनाव करता है** जिसका **प्रत्येक सदस्य फ्रेंच या अंग्रेज़ी भाषी** होता है और **राष्ट्रीय ओलंपिक समिति वाले देश का नागरिक** होता है या वहाँ रहता है।
  - IOC ओलंपिक खेलों और ओलंपिक मूवमेंट से संबंधित सभी विवादों के समाधान के लिये अंतिम प्राधिकारण है।
- इसका उद्देश्य ओलंपिक खेलों का **नियमित आयोजन सुनिश्चित करना** तथा **ओलंपिकवाद (Olympism)** और **ओलंपिक मूवमेंट** को बढ़ावा देना है।
  - **ओलंपिकवाद** एक ऐसा **दर्शन** है जो **खेल, संस्कृति, शिक्षा और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को संगठित करता** है, जो प्रयास के आनंद, अच्छे उदाहरणों के शैक्षिक मूल्य, सामाजिक जिम्मेदारी तथा **सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांतों के सम्मान पर ज़ोर** देता है।
  - ओलंपिक मूवमेंट का लक्ष्य ओलंपिकवाद और उसके मूल्यों के अनुसार अभ्यास किये जाने वाले खेलों के माध्यम से युवाओं को शिक्षित कर एक शांतिपूर्ण एवं बेहतर विश्व के निर्माण में योगदान देना है।
  - ओलंपिक मूवमेंट के तीन मुख्य घटक हैं **अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC)**, **अंतर्राष्ट्रीय खेल महासंघ (IF)** और राष्ट्रीय ओलंपिक समितियाँ (NOC)।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

ओलंपिक

प्राचीन इतिहास

- उत्पत्ति - ओलंपिया, ग्रीस (776 ईसा पूर्व)
- ग्रीक संस्कृति से संबंधित
- प्रतियोगिता - दौड़, कुश्ती और रथ दौड़
- समापन - 393 ई. में सम्राट थियोडोसियस प्रथम द्वारा

आधुनिक इतिहास

- पुनर्जीवित - 19वीं सदी के अंत में पियरे डी कुबर्टिन (IOC के संस्थापक सदस्य) द्वारा
- पहला आधुनिक ओलंपिक - एथेंस, ग्रीस (वर्ष 1896)

आगामी प्रतियोगिताएँ

- **शीतकालीन ओलंपिक 2026:** मिलान और कॉर्टिना डी'एम्पेज़ो, इटली
- **ग्रीष्मकालीन ओलंपिक 2028:** लॉस एंजेलिस, संयुक्त राज्य अमेरिका
- **ग्रीष्मकालीन ओलंपिक 2032:** ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया
- भारत वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों की मेज़बानी करेगा

लोगो और मोटो/आदर्श वाक्य

- **लोगो:** श्वेत पृष्ठभूमि पर नीले, पीले, काले, हरे और लाल रंग के 5 इंटरलॉकिंग रिंग **(5 महाद्वीपों के सम्मिलन और विश्व एथलीटों का प्रतिनिधित्व करते हैं)**
- **आदर्श वाक्य:** सिटिअस, अल्टिअस और फोर्टिअस - कम्यूनिटर (अधिक तेज, उच्चतर, अधिक मज़बूत - एकजुट या साथ-साथ) ('कम्यूनिटर' को वर्ष 2021 में जोड़ा गया था)

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC)

- स्थापना - वर्ष 1894
- ओलंपिक खेलों का संरक्षक
- मुख्यालय - लॉज़ेन, स्विटज़रलैंड

टोक्यो में होने वाली वर्ष 2020 की ओलंपिक प्रतियोगिता में 5 नए खेल शामिल किये गए: सर्फिंग, स्केटबोर्डिंग, स्पोर्ट क्लाइम्बिंग, कराटे और बेसबॉल/सॉफ्टबॉल

पेरिस ओलंपिक 2024

पदक तालिका में भारत 71वें स्थान पर; टोक्यो वर्ष 2020 में 48वें स्थान पर पहुँचा)

भारतीय खिलाड़ी/टीम	पदक	प्रतियोगिता
नीरज चोपड़ा	रज़त	पुरुष भाला फेंक
मनु भाकर और सरबजोत सिंह	कांस्य	10 मीटर एयर पिस्तौल मिश्रित टीम स्पर्द्धा
स्वप्निल कुसाले	कांस्य	पुरुषों के 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन
भारतीय हॉकी टीम	कांस्य	पुरुष हॉकी
मनु भाकर	कांस्य	महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्द्धा
अमन सहरावत	कांस्य	पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा कुश्ती स्पर्द्धा

भारतीय ओलंपिक संघ (IOA)

- स्थापना - **वर्ष 1927**
- ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एथलीटों का चयन करता है

दृष्टि The Vision Drishti IAS

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

जाह्नवी डांगेती

चर्चा में क्यों?

आंध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी ज़िले की 23 वर्षीय **जाह्नवी डांगेती को** अमेरिका स्थित निजी अंतरिक्ष अनुसंधान एजेंसी **टाइटन स्पेस इंडस्ट्रीज (TSI)** के वर्ष 2029 के अंतरिक्ष मिशन के लिये **एस्ट्रोनॉट कैंडिडेट (ASCAN)** के रूप में चुना गया है।

- **एस्ट्रोनॉट कैंडिडेट** वह व्यक्ति होता है, जिसे किसी अंतरिक्ष एजेंसी या संगठन द्वारा अंतरिक्ष यात्रा **के लिये प्रशिक्षण** हेतु चयनित किया जाता है, ताकि उसे भविष्य में अंतरिक्ष अभियानों के लिये योग्य बनाया जा सके।

मुख्य बिंदु

जाह्नवी डांगेती के बारे में

- उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा **पश्चिम गोदावरी ज़िले** में पूरी की तथा उसके बाद **लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (LPU), पंजाब** से **इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग** में स्नातक की उपाधि प्राप्त की; उनके माता-पिता **पद्मश्री** और **श्रीनिवास** वर्तमान में **कुवैत** में रहते हैं।
- वह वर्ष 2022 में पोलैंड के क्राकोव में एनालॉग अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण केंद्र (AATC) में **सबसे कम उम्र की विदेशी एनालॉग अंतरिक्ष यात्री** और **पहली भारतीय बनीं।**
- उन्होंने नासा द्वारा प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय खोज सहयोग (IASC) के साथ कार्य किया है और हवाई में स्थित **पैन-स्टार्स टेलीस्कोप** के माध्यम से क्षुद्रग्रहों की खोज में योगदान दिया है।
- उनको कई पुरस्कार मिले हैं, जिनमें नासा स्पेस ऐप्स चैलेंज में **पीपल्स चॉइस अवार्ड** और **इसरो** के विश्व अंतरिक्ष सप्ताह समारोह में **यंग अचीवर अवार्ड** शामिल हैं।
- **केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने** नासा के अंतर्राष्ट्रीय वायु एवं अंतरिक्ष कार्यक्रम को पूरा करने वाली पहली भारतीय बनने पर उन्हें बधाई दी तथा उनकी उपलब्धि को भारत के लिये गौरव का क्षण बताया।

टाइटंस अंतरिक्ष मिशन

- वर्ष 2029 के लिये निर्धारित इस मिशन का नेतृत्व NASA के अनुभवी अंतरिक्ष यात्री **कर्नल (सेवानिवृत्त) विलियम मैकआर्थर जूनियर** करेंगे।
- **अमेरिका** स्थित इस मिशन में लगभग **5 घंटे** का समय लगेगा, इस दौरान चालक दल **ग्रह के चारों ओर दो बार उड़ान** भरेगा तथा **दो सूर्योदय और दो सूर्यास्त** का अनुभव करेगा।
- यह मिशन लगभग **3 घंटे तक निरंतर** शून्य गुरुत्वाकर्षण प्रदान करेगा, जो **वैज्ञानिक जाँच** तथा **मानव अंतरिक्ष उड़ान विकास** के लिये एक **क्रांतिकारी वातावरण** उपलब्ध कराएगा।
- **जाह्नवी वर्ष 2026 में अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण** प्रारंभ करेंगी, जिसमें **उड़ान सिमुलेशन, अंतरिक्ष यान प्रक्रियाएँ, उत्तरजीविता प्रशिक्षण तथा चिकित्सा और मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन** शामिल होंगे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

अंतरिक्ष में भारत की अन्य प्रमुख उपलब्धियाँ:

- एक्सिओम-4 (Ax-4) मिशन (2025): ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले **दूसरे भारतीय** बने और NASA के **अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS)** का दौरा करने वाले **पहले भारतीय** होंगे।
  - **चार सदस्यीय दल** (अमेरिका से **पैगी व्हिटसन**, पोलैंड से **स्लावोज़ उज्नान्स्की-विस्निएव्स्की**, तथा हंगरी से **टिबोर कापू**) 60 **वैज्ञानिक प्रयोग** करेंगे, जिनमें से **7 प्रयोग भारत द्वारा** किये जाएंगे।
- ISRO के प्रयोगों का उद्देश्य **अंतरिक्ष, उसके जैविक प्रभावों और सूक्ष्मगुरुत्व** के बारे में हमारी समझ को बढ़ाना है, जिसमें एक प्रमुख प्रयोग **6 प्रकार के फसल बीजों पर अंतरिक्ष उड़ान के प्रभाव** की जाँच करना है।
- **रूसी सोयुज मिशन (1984):** राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले **पहले भारतीय** बने, जो भारत की अंतरिक्ष यात्रा के लिये एक **ऐतिहासिक उपलब्धि थी**।

CIP-दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र (CSARC), आगरा

चर्चा में क्यों?

सरकार ने उत्तर प्रदेश के **आगरा ज़िले के सिंगना** में **पेरू स्थित** अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र (CIP) के **दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र** की स्थापना को मंज़ूरी दे दी है।

- भारत में **CIP क्षेत्रीय केंद्र** न केवल **घरेलू किसानों** की बल्कि **अन्य** दक्षिण एशियाई देशों **के किसानों** की भी आवश्यकताओं को पूरा करेगा।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य:**
  - परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य **खाद्य एवं पोषण सुरक्षा** को बढ़ाना, **किसानों की आय में वृद्धि** करना तथा आलू और शकरकंद की उत्पादकता, कटाई के बाद प्रबंधन एवं मूल्य संवर्द्धन में सुधार करके **रोज़गार सृजन** करना है।
- **परियोजना लागत:**
  - उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रस्तावित केंद्र के लिये **10 हेक्टेयर भूमि** आवंटित की है। परियोजना की कुल लागत **171 करोड़ रुपए** है, जिसमें भारत **111 करोड़ रुपए** का योगदान देगा और CIP (**अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र**) द्वारा **60 करोड़ रुपए** प्रदान किये जाएंगे।
- **रोज़गार पर प्रभाव:**
  - भारत का **आलू क्षेत्र- उत्पादन**, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, परिवहन, **विपणन** तथा **विस्तृत मूल्य श्रृंखला** जैसे क्षेत्रों में **रोज़गार सृजन की महत्त्वपूर्ण क्षमता** रखता है।
- **नवाचार:**
  - CSARC (केंद्रीय आलू एवं शकरकंद अनुसंधान केंद्र) द्वारा **आलू और शकरकंद** की उच्च उपज देने वाली, पोषक तत्त्वों से भरपूर तथा जलवायु-अनुकूल किस्मों का विकास किया जाएगा, जिससे विश्व स्तरीय **वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार** के माध्यम से न केवल भारत बल्कि पूरे दक्षिण एशिया में सतत् विकास को गति मिलेगी।
- **भारत का आलू उत्पादन:**
  - भारत विश्व स्तर पर **आलू का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता** है, जिसका उत्पादन वर्ष **2020 में 51.30 मिलियन टन** था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **भारत और चीन** मिलकर वैश्विक आलू उत्पादन का **एक-तिहाई से अधिक** उत्पादन करते हैं, जो वर्ष 2020 में कुल 359.07 मिलियन टन था।
- **भारत में प्रमुख उत्पादक राज्य:**
  - **उत्तर प्रदेश** और **पश्चिम बंगाल** आलू उत्पादन में अग्रणी हैं, जिनमें से प्रत्येक ने **2020-21 में 15 मिलियन टन** का योगदान दिया।
  - **बिहार** में **9 मिलियन टन** उत्पादन होता है तथा गुजरात, मध्य प्रदेश और पंजाब भी इसमें महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं।

संबंधित संस्थान

- **अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र (CIP):** इसकी स्थापना वर्ष 1971 में हुई थी, इसका मुख्यालय लीमा, पेरू में है, यह **आलू, शकरकंद** तथा अन्य कंद फसलों पर अनुसंधान करता है।
- **चीन:** पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र की सेवा के लिये वर्ष 2017 में बीजिंग के यानकिंग में चाइना सेंटर फॉर एशिया पैसिफिक (CCCAP) की स्थापना की गई।
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR): भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद **कंद फसलों पर केंद्रित** दो प्रमुख **संस्थानों** का संचालन करती है:
  - ICAR-CPRI (केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान), शिमला, जो **आलू** पर अनुसंधान करता है।
  - ICAR-CTCRI (केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान), तिरुवनंतपुरम, जो **शकरकंद** पर अनुसंधान करता है।
- **अन्य कृषि केंद्र की स्थापना:** वर्ष 2017 में, कृषि मंत्रालय ने **वाराणसी** में **फिलीपींस स्थित** अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (IRRI) के एक **क्षेत्रीय केंद्र** की स्थापना का समर्थन किया।

गाज़ियाबाद में ग्रीन डाटा सेंटर

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के **गाज़ियाबाद में** अत्याधुनिक **ग्रीन डाटा सेंटर का** उद्घाटन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **परियोजना विवरण:**
  - यह परियोजना **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय** के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम **सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (CEL)** और ESDS के बीच एक **संयुक्त पहल** है।
  - इसमें **1,000 करोड़ रुपए** का **अनुमानित निवेश** प्रस्तावित है तथा इसकी **क्षमता 30 मेगावाट** होगी।
- **संरचना:**
  - यह **डाटा सेंटर ऊर्जा-कुशल प्रौद्योगिकियों, नवीकरणीय ऊर्जा** तथा **पर्यावरण-अनुकूल डिज़ाइन** का उपयोग करेगा।
- **कनेक्टिविटी और अनुकूलता:**
  - इसमें **क्लाउड एकीकरण** तथा **आपदा पुनर्प्राप्ति** के लिये **40 Gbps रिंग फाइबर नेटवर्क** और **दोहरे 10 Gbps कनेक्शन** की सुविधा होगी।
  - इसमें **वर्षा जल संचयन, परावर्तक छत** तथा **स्मार्ट शीतलन प्रणाली** जैसी सुविधाएँ भी शामिल की जाएंगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तर प्रदेश डाटा सेंटर नीति 2021

- **विज़न और मिशन:**
  - उत्तर प्रदेश को डाटा सेंटर उद्योग के लिये एक पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करना।
  - वैश्विक एवं घरेलू निवेश को आकर्षित करते हुए तथा MSME/स्टार्ट-अप्स को समर्थन प्रदान कर विश्व स्तरीय डाटा सेंटर पारिस्थितिकी तंत्र का विकास करना।
- **लक्ष्य:**
  - राज्य में **900 मेगावाट** की **डाटा सेंटर क्षमता** विकसित करना।
  - लगभग **30,000 करोड़ रुपए** का **निवेश आकर्षित** करना।
  - कम-से-कम 8 **निजी अत्याधुनिक डाटा सेंटर पार्क** स्थापित करना।
- **नोडल एजेंसी:**
  - **उत्तर प्रदेश का IT एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग** इस नीति के **क्रियान्वयन हेतु नोडल एजेंसी** नियुक्त करेगा।
- **परिभाषाएँ:**
  - **डाटा सेंटर पार्क:** इसकी न्यूनतम क्षमता **40 मेगावाट** होनी चाहिये।
  - **डाटा सेंटर यूनिट:** इसकी क्षमता **2 मेगावाट से अधिक और 40 मेगावाट से कम** होनी चाहिये; इसमें **कैप्टिव डाटा सेंटर** शामिल नहीं होंगे।
- **डाटा सेंटर पार्क हेतु प्रोत्साहन:**
  - डाटा सेंटर पार्कों को **7 वर्षों तक अधिकतम 60% ब्याज अनुदान** मिलेगा, जिसकी **वार्षिक अधिकतम सीमा 10 करोड़ रुपए** तथा **प्रत्येक पार्क हेतु कुल अधिकतम सीमा 50 करोड़ रुपए** निर्धारित की गई है।
    - **मध्यांचल** और **पश्चिमांचल** में **25%** तथा बुंदेलखंड **एवं पूर्वांचल** में **50%** की **भूमि सब्सिडी** उपलब्ध है, जिसकी अधिकतम सीमा **कुल परियोजना लागत के 7.5%** या **75 करोड़ रुपए** (जो भी कम हो) तक निर्धारित है।
    - यह सब्सिडी केवल **नीति के अंतर्गत अधिसूचित पहले 8 डाटा सेंटर पार्कों** पर लागू होगी तथा यदि किसी पार्क में यह **पहले से दावा की जा चुकी है**, तो उस पार्क के भीतर **डाटा सेंटर इकाइयों** पर यह **लागू नहीं होगी**।
  - **स्टाम्प ड्यूटी में छूट: पहले लेनदेन** पर **100% छूट** तथा **दूसरे लेनदेन** पर **50% छूट** प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, **दोहरी पावर ग्रिड आपूर्ति** की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है।
- **डेटा सेंटर इकाइयों के लिये प्रोत्साहन:**
  - **डेटा सेंटर इकाइयाँ 20 करोड़** रुपए तक के **निश्चित पूंजी निवेश** (भूमि और भवन को छोड़कर) पर **7% पूंजी सब्सिडी** का लाभ उठा सकती हैं, जिसे **10 वर्षों** में **2 करोड़ रुपए प्रति वर्ष** की अधिकतम सीमा के साथ वितरित किया जाएगा।
- **भूमि सब्सिडी** के लिये भी ये इकाइयाँ पात्र हैं: **मध्यांचल** और **पश्चिमांचल** में **25%** तथा **बुंदेलखंड** एवं **पूर्वांचल** में **50%** की दर से, जिसकी अधिकतम सीमा **परियोजना लागत के 7.5%** या **75 करोड़ रुपए** (जो भी कम हो) तक होगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

सलखन जीवाश्म पार्क

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश के सलखन जीवाश्म पार्क, जिसे सोनभद्र जीवाश्म पार्क के नाम से भी जाना जाता है, को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों **की संभावित सूची** में शामिल किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **सलखन जीवाश्म पार्क के बारे में:**
  - उत्तर प्रदेश के **सोनभद्र** ज़िले के **सलखन गाँव** में स्थित यह पार्क कैमूर वन्यजीव अभयारण्य से सटे सुंदर कैमूर रेंज के भीतर **25 हेक्टेयर** क्षेत्र में फैला हुआ है।
  - यद्यपि इस स्थल में भूवैज्ञानिक रुचि 1930 के दशक से रही है, फिर भी इसे आधिकारिक रूप से वर्ष 2002 में जीवाश्म पार्क घोषित किया गया।
  - सलखन जीवाश्म पार्क में **स्ट्रोमैटोलाइट्स** को संरक्षित किया गया है, जो प्राचीन साइनोबैक्टीरिया (नीली-हरित शैवाल) द्वारा निर्मित दुर्लभ स्तरित अवसादी संरचनाएँ हैं।
    - लगभग **3.5 अरब वर्ष** पूर्व उत्पन्न हुए सायनोबैक्टीरिया संभवतः **ऑक्सीजनिक प्रकाश संश्लेषण** करने वाले प्रथम जीव थे, जिनके कारण महान ऑक्सीकरण घटना (लगभग **2.4 अरब वर्ष पूर्व**) घटित हुई, जिसने पृथ्वी के वायुमंडल को **ऑक्सीजन** से समृद्ध किया जिससे जटिल जीवन संभव हो सका।
  - ये प्रकाश संश्लेषण करने वाले **सूक्ष्मजीव मेसोप्रोटेरोज़ोइक युग** (1.6–1.0 **बिलियन वर्ष** पूर्व) के हैं, जिससे इनके जीवाश्म **1.4 बिलियन वर्ष** पुराने माने जाते हैं।
  - इस प्रकार की संरचनाएँ **विश्व स्तर पर अत्यंत दुर्लभ** हैं, जो **सलखन** को दुनिया के **सबसे प्राचीन जीवाश्म स्थलों** में से एक बनाती हैं, जो **शार्क बे (ऑस्ट्रेलिया)** तथा **येलोस्टोन (अमेरिका)** से भी पुराना है।
- **वैज्ञानिक मान्यताओं को चुनौती देना:**
  - **सलखन** में हुई खोजों ने प्रारंभिक जीवन की वैज्ञानिक समझ को बदल दिया है।
  - पहले वैज्ञानिकों का मानना था कि जीवन लगभग **570 मिलियन वर्ष** पूर्व आरंभ हुआ था, लेकिन यहाँ पाए गए प्राचीन **स्ट्रोमेटोलाइट्स** उस काल से भी पहले के हैं।
  - इस वैज्ञानिक अवलोकन में एक महत्त्वपूर्ण प्रगति **यूपी इको-पर्यटन विकास बोर्ड** तथा बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान, लखनऊ के बीच हुए **समझौता ज्ञापन (MoU)** के माध्यम से हुई।
  - ये **जीवाश्म** पृथ्वी के प्रारंभिक जैवमंडल और महासागरीय पारिस्थितिकी तंत्र के विकास से संबंधित महत्त्वपूर्ण सुराग प्रदान करते हैं।

विश्व धरोहर स्थल (WHS)

- **विश्व धरोहर स्थल (WHS)** वे स्थान हैं, जिन्हें **मानवता के लिये उनके उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य** के लिये मान्यता प्राप्त है और उन्हें भावी पीढ़ियों के लिये सुरक्षा और संरक्षण हेतु **विश्व धरोहर सूची** में अंकित किया गया है।
  - इन स्थलों की प्रकृति **सांस्कृतिक, प्राकृतिक अथवा मिश्रित** हो सकती है। **WHS को विश्व धरोहर सम्मेलन,** 1972 के तहत संरक्षित किया जाता है, जो **UNESCO के सदस्य देशों** द्वारा अपनाया गया एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

- यह अभिसमय ऐसे स्थलों की पहचान, सुरक्षा और परिरक्षण में **राष्ट्र पक्षकारों** की ज़िम्मेदारियों को रेखांकित करता है।
- विश्व धरोहर स्थलों की सूची का अनुरक्षण अंतर्राष्ट्रीय '**विश्व धरोहर कार्यक्रम**' द्वारा किया जाता है, जिसका विनियमन **UNESCO विश्व धरोहर समिति** द्वारा किया जाता है।
- भारत ने वर्ष 1977 में इस अभिसमय का अनुसमर्थन किया।

- **जून 2025** तक, भारत में **43 विश्व धरोहर स्थल** (34 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक और 2 मिश्रित) और **63 स्थल संभावित सूची में हैं**।

रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (DMSRDE)

चर्चा में क्यों?

रक्षा राज्य मंत्री ने उत्तर पदेश के **कानपुर** में स्थित **रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान** (DMSRDE), जो DRDO की एक प्रमुख प्रयोगशाला है, का दौरा किया तथा **स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों**, विशेषकर ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में इसकी भूमिका की सराहना की।

मुख्य बिंदु

- **स्वदेशी रक्षा नवाचारों को मान्यता:**
  - DMSRDE को उन्नत रक्षा प्रणालियों और **स्वदेशी उत्पादों के विकास में** महत्त्वपूर्ण योगदान के लिये सराहना मिली। प्रमुख उपलब्धियों में शामिल हैं:
- **बुलेट प्रूफ जैकेट (लेवल-6)**-देश की **सबसे हल्की बुलेटप्रूफ जैकेट**
  - ब्रह्मोस मिसाइल के लिये नेफथाइल ईंधन
  - भारतीय तटरक्षक पोतों के लिये उच्च दबाव पॉलिमर झिल्लियाँ
- **सिलिकॉन कार्बाइड फाइबर**
  - सक्रिय कार्बन फैब्रिक-आधारित रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु (CBRN) सूट
  - युद्ध क्षेत्र में जीवित रहने की क्षमता बढ़ाने वाली **गुप्त सामग्रियों की एक श्रृंखला**
- **प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और उद्योग सहयोग में अग्रणी:**
  - DMSRDE ने पिछले 2 वर्षों में सभी DRDO प्रयोगशालाओं में सबसे अधिक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण किया है।
  - प्रयोगशाला ने वर्ष **2047 तक विकसित भारत** के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप, **उद्योग तथा शिक्षा जगत** के साथ सहयोग पर केंद्रित किया है।
- **व्यापक योगदान:**
  - नैनो-सामग्री, तकनीकी वस्त्र, छलावरण प्रणाली, कोटिंग्स, रबर और स्नेहक क्षेत्रों में नवाचार प्रस्तुत किये गए।
  - यह अत्याधुनिक **दोहरे उपयोग वाली प्रौद्योगिकियों** के विकास हेतु DRDO की प्रतिबद्धता को प्रमाणित करता है।

DRDO के बारे में

- **DRDO की स्थापना वर्ष** 1958 में भारतीय सेना के **तकनीकी विकास प्रतिष्ठान (TDE)**, **तकनीकी विकास और उत्पादन निदेशालय (DTDP)** और रक्षा विज्ञान संगठन (DSO) का संयोजन करके की गई थी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

- DRDO भारत सरकार के **रक्षा मंत्रालय** का अनुसंधान एवं विकास विंग है।
- आरंभ में DRDO के पास 10 प्रयोगशालाएँ थीं, वर्तमान में यह 41 प्रयोगशालाओं और 5 **DRDO युवा वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं (DYSL)** का संचालन करता है।

- **सिद्धांत:** DRDO का मार्गदर्शक सिद्धांत "***बलस्य मूलं विज्ञानम्***" **(शक्ति विज्ञान में निहित है) है,** जो राष्ट्र को शांति और युद्ध दोनों ही स्थिति में मार्गदर्शित करता है।
- **मिशन:** इसका मिशन तीनों सेनाओं की आवश्यकताओं के अनुसार भारतीय सशस्त्र बलों को अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों और उपकरणों से लैस करते हुए **महत्त्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों तथा प्रणालियों में आत्मनिर्भर** होना है।

ब्रह्मोस मिसाइल:

- भारत-रूस संयुक्त उद्यम, ब्रह्मोस मिसाइल की **मारक क्षमता 290 किमी. है** और यह मैक 2.8 (ध्वनि की गति से लगभग तीन गुना) की उच्च गति के साथ **विश्व की सबसे तेज़ क्रूज़ मिसाइल** है।
  - इसका नाम भारत की ब्रह्मपुत्र नदी और रूस की **मोस्कवा नदी** के नाम पर रखा गया है।
- यह दो चरणों वाली **(पहले चरण में ठोस प्रणोदक इंजन और दूसरे में तरल रैमजेट)** मिसाइल है।
- यह एक मल्टीप्लेटफॉर्म मिसाइल है **जिसे स्थल, वायु एवं समुद्र में बहुक्षमता वाली मिसाइल से सटीकता के साथ लॉन्च किया जा सकता** है जो खराब मौसम के बावजूद दिन और रात में काम कर सकती है।
- यह 'दागो और भूल जाओ' (Fire and Forget) सिद्धांत पर काम करती है यानी लॉन्च के बाद इसे मार्गदर्शन की आवश्यकता नहीं होती।

ऑपरेशन सिंदूर

- यह पहलगाम आतंकी हमले के प्रत्युत्तर में 7 मई, 2025 को भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा लॉन्च किया गया एक समन्वित स्ट्राइक ऑपरेशन था।
  - इसे भारतीय भू-भाग से **सेना, नौसेना और वायु सेना** के समन्वित प्रयासों द्वारा कार्यान्वित किया गया।
  - पिछले अभियानों के आक्रामक और शक्ति प्रदर्शन पर केंद्रित नामों के विपरीत, इस अभियान का नाम पीड़ितों, विशेषकर पहलगाम हमले की विधवाओं, के प्रति **व्यक्तिगत श्रद्धांजलि** स्वरूप चुना गया था।
- **लक्ष्य:** 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoJK) में स्थित **जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन से संबद्ध आतंकी ठिकानों** को लक्षित किया।
  - इन हमलों का उद्देश्य भारत के खिलाफ हमलों की योजना बनाने में इस्तेमाल किये गए आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करना था।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :